शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 297 | गुवाहाटी | बुधवार, 3 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दिल्ली से हो रही तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने की कोशिश : ममता पेज 2
मियां अपराध पर कठोर कानून बनाए जाएं : असम भाजपा पेज 3
अनुशासन, सामाजिक समरसता व राष्ट्रभावना के संस्कारों का केंद्र है संघ... पेज 5
एपीएल 2026 में होगा इम्पैक्ट सब नियम हर टीम को खिलाना होगा अंडर-23 खिलाड़ी पेज 7

माधुर्ज्य बर्मन हत्याकांड : घायल किशोरी की हालत में सुधार

आरोपी को सार्वजनिक कब्रिस्तान में दफनाने की अनुमति नहीं

गुवाहाटी। असम की कक्षा 12वीं की एक छात्रा, जो एक युवक के दु:साहस को ठुकराने के बाद उसके हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई थी, का इलाज चल रहा है और उसकी हालत में सुधार हो रहा है। वहीं, पुलिस मुठभेड़ में आरोपी के मारे जाने के बाद, पांच गांवों के निवासियों ने उसे सार्वजनिक कब्रिस्तान में दफनाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। गुवाहाटी स्थित गौहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) के आईसीयू में 17 वर्षीय लड़की का कई चोटों के इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की एक टीम उसकी देखभाल कर रही है। जीएमसीएच के अधीक्षक डॉ. देवजीत चौधरी ने कहा कि बच्ची की हालत में सुधार के लक्षण दिख रहे हैं और वह बोलने और अपने पिता को पहचानने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि हम उसकी शारीरिक चोटों का इलाज कर रहे हैं। हालांकि, सदमे से उबरने के लिए उसे काउंसलिंग की जरूरत होगी। मालूम हो कि आरोपी रोज अली उर्फ आशिक ने रविवार शाम को नलबाड़ी कस्बे से लौट रही लड़की और उसकी चचेरे भाई माधुर्ज्य बर्मन पर मुकलमुआ के गंगापुर में धारदार हथियार से हमला किया था। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) की स्थानीय नेता माधुर्ज्य की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी छिप गया था और सोमवार को उसे पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद, वह पुलिसकर्मियों को उस स्थान पर ले जा रहा था जहां उसने हत्या का हथियार छिपाया था, तभी उसने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी से सर्विस राइफल छीन ली और चार गोलियां चलाईं। पुलिस ने बताया कि जवाबी फायरिंग में वह मारा गया। मंगलवार शाम को आरोपी को अपने एक रिश्तेदार की जमीन पर दफना दिया गया, क्योंकि पांच गांवों के निवासियों ने उसे सार्वजनिक कब्रिस्तान में दफनाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इस बीच, आसू के मुख्य सलाहकार समुज्जल भट्टाचार्य -शेष पृष्ठ दो पर

मिशन सेनेहजोरी : असम के सुनहरे रेशम को वैश्विक स्तर पर चमकाने के लिए 411 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन मिला

गुवाहाटी। केंद्र और असम सरकार ने मंगलवार को मिशन सेनेहजोरी का शुभारंभ किया, जो कि मूगा रेशम मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया एक व्यापक 411 करोड़ रुपए का कार्यक्रम है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री (डीओएनईआर) ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में अनावरण किए गए इस मिशन से 8,000 से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष रूप से सहायता मिलने की उम्मीद है, साथ ही यह व्यापक मुगा पारिस्थितिकी तंत्र में आजीविका को मजबूत करेगा, जो वर्तमान में असम में लगभग 2.6 लाख पालकों और बुनकरों को सहारा प्रदान करता है। मूल रूप से, मिशन सेनेहजोरी का उद्देश्य मुगा पालकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। वर्तमान में, किसानों को प्रति किलोग्राम लगभग 25,000 रुपए की कीमत मिलती है, लेकिन इस मिशन का लक्ष्य बेहतर प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और बाजार तक पहुंच के माध्यम से प्रति किलोग्राम 50,000 रुपए से अधिक का लाभ दिलाना है। इस पहल का उद्देश्य उत्पादन के बाद होने वाले महत्वपूर्ण नुकसानों और जीआई टैग में मिलावट और दुरुपयोग से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का समाधान करना भी है, ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने लंबे समय से वास्तविक -शेष पृष्ठ दो पर

लखीमपुर में एक और लव जिहाद का मामला, युवती ने दर्ज कराई प्राथमिकी

लखीमपुर (हि.स.)। असम के लखीमपुर जिले में एक और लव जिहाद का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि एक मुस्लिम युवक ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर हिंदू युवती से विवाह पंजीकरण कराया और बाद में उसकी वास्तविक पहचान उजागर हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवती की नवंबर माह में एक युवक से मुलाकात हुई थी। युवक ने अपना नाम सुमित कुमार तथा पता तेजपुर के धुलाबाड़ी क्षेत्र का निवासी बताया था। युवती ने आरोप लगाया है कि अप्रैल में युवक ने धोखे से मेरे साथ कोर्ट मैरिज कर ली। युवती का दावा है कि बाद में उसे पता चला कि युवक का वास्तविक नाम हसमत अली है और वह लखीमपुर जिले के रंगाजान बरबिल क्षेत्र का निवासी है। युवती -शेष पृष्ठ दो पर

सीबीएसई अध्यक्ष और सचिव का तबादला अनियमितताओं की जांच के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से जुड़े हाल के विवादित घटनाक्रम पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव का तबादला कर दिया है। साथ ही कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है जो ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सेवाओं की खरीद की जांच करेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष से मुलाकात की

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को डॉ. अशोक लाहिड़ी को नीति आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर हाल ही में हुई उनकी नियुक्ति पर बधाई दी और इस राष्ट्रीय नीति थिंक टैंक के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता जाहिर की। राष्ट्रीय राजधानी में डॉ. लाहिड़ी के साथ हुई अपनी मुलाकात की जानकारी देते हुए शर्मा ने कहा कि नए नियुक्त उपाध्यक्ष अपने साथ सार्वजनिक नीति और वित्त के क्षेत्र का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीति आयोग की नीति-निर्माण और सुधार एजेंडे में उनके इस अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार सुधारों और विकास नीतियों को लागू करने के मामले में नीति आयोग के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करने की इच्छुक है। मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा कि असम सरकार का लक्ष्य नीति आयोग के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रसन्नता परमात्मा की दी हुई औषधी है।

-स्वेट मार्डन

त्रिपुरा दौरे पर अमित शाह

भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा और बीएसएफ की तैयारियों की करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 और 5 जून को त्रिपुरा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, गृह मंत्री 4 जून को शिलांग में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) के 73वें पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता करने के बाद शाम को अगरतला पहुंचेंगे। त्रिपुरा प्रवास के दौरान अमित शाह बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। इस बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा से -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में महाराष्ट्र जैसा खेला : 50 विधायक हमारे साथ हम असली तृणमूल कांग्रेस, रिजु दत्ता के दावे से हड़कंप

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। दो विधायकों को निष्कासन के अब ऐसे दावे किए जा रहे है कि तृणमूल कांग्रेस के अंदर फूट पड़ सकती है। पार्टी से निकाले गए नेता रिजु दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि ये विधायक पार्टी पर अपना दावा ठोक सकते हैं। मीडिया से बात करते हुए रिजु दत्ता ने दावा किया कि टीएमसी के दो विधायकों ऋतुब्रत बंदोपाध्याय और संदीपान साहा ने स्पीकर को एक चिट्ठी लिखकर दावा किया कि उनके दस्तखत नकली थे। जिसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने इन दोनों विधायकों को पार्टी से निकाल दिया। चूंकि मैंने भी कई वर्षों तक तृणमूल कांग्रेस में काम किया है, इसलिए मुझे इस बारे में खबर मिली और कुणाल घोष ने भी प्रेस में बताया कि ऋतुब्रत बंदोपाध्याय की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस के लगभग 50 विधायक एक होटल में मिले थे। दत्ता ने आगे बताया, उन्होंने (विधायकों) फोन पर भी बात की और शाम को एमएलए हॉस्टल में कई विधायकों के साथ एक मीटिंग भी की। आज शायद दोपहर 1:00 या 2:00 बजे के आसपास, वे सब एक साथ मिलकर विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में डीके शिवकुमार आज लेंगे शपथ

बेंगलुरु (हि.स.)। कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। राज्य के मनोनीत मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बुधवार (3 जून) को बेंगलुरु स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावर चंद गहलोत उन्हें शाम 4:05 बजे शपथ दिलाएंगे। इस बहुप्रतीक्षित समारोह को लेकर राजधानी में व्यापक तैयारियां की गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से समारोह को भव्य बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह में -शेष पृष्ठ दो पर

सूरत में दो बसों की टक्कर, सात की मौत, कई जिंदा जले

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। बारडोली के पास धुलिया राजमार्ग पर दो बसों की भीषण टक्कर के बाद एक बस पलट गई और उसमें अचानक आग लग गई। आग लगने के साथ तेज धमाके की भी आवाज सुनाई दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 7 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इनमें से कई यात्री तो जिंदा जल गए। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बस हादसे पर दुख जताया है। यह हादसा बरदोली तालुका के उवा और मानेकपुर गांवों के बीच हुआ। गुजरात स्टेट ट्रांसपोर्ट (एसटी) की बस और महाराष्ट्र स्टेट ट्रांसपोर्ट की बस के -शेष पृष्ठ दो पर

अल नीनो की आशंका पर केंद्र अलर्ट किसान हित सर्वोच्च : शिवराज

नई दिल्ली (हि.स.)। दक्षिण-पश्चिम मानसून, संभावित अल नीनो प्रभाव, जल उपलब्धता, बीज व्यवस्था, फसल रणनीति और राज्यों की तैयारियों की मंगलवार को कृषि भवन में विस्तृत समीक्षा की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी संबंधित केंद्रीय विभागों, राज्य सरकारों को समन्वय और अग्रिम योजना के साथ काम करने के निर्देश दिए। चौहान ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मोदी सरकार पूरी सतर्कता के साथ तैयारी कर रही है और लक्ष्य यह है कि मौसम की चुनौती का असर खेत और किसान पर न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और संभावित अल नीनो प्रभाव को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं। बैठक में मौसम पूर्वानुमान, जल उपलब्धता, फसलों की स्थिति, बीज एवं अन्य कृषि आदानों की -शेष पृष्ठ दो पर

इस साल के अंत तक पूरी तरह बदल जाएगा भारतीय सशस्त्र बलों का शीर्ष नेतृत्व

नई दिल्ली (हि.स.)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और नौसेना प्रमुख बदलने के बाद इस साल के अंत तक भारतीय सशस्त्र बलों का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह बदल जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मंगलवार को *कर्तव्य भवन* में देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा -शेष पृष्ठ दो पर

देश की संप्रभुता सर्वोपरि व्यक्तिगत स्वतंत्रता नहीं : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अगर देश की संप्रभुता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच टकराव होता है, तो देश की संप्रभुता को प्राथमिकता मिलेगी, खासकर नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में। कोर्ट ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उसने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति को जमानत दी गई थी। उस व्यक्ति पर आरोप था कि वह जेल के अंदर से मोबाइल फोन के जरिये नशीले पदार्थों तस्करी का नेटवर्क चला रहा था। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह -शेष पृष्ठ दो पर

प्रतिभा को केवल अवसर और मार्गदर्शन की जरूरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने *जनजातीय गरिमा उत्सव* के अंतर्गत आयोजित *नव भारत में बिरसा की जीवंत विरासत सप्ताह* के दौरान छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उसे खोजने, तराशने तथा उचित मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की है। यदि सही अवसर मिलें तो गांवों, दूरदराज के क्षेत्रों और जनजातीय अंचलों के युवा भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने जनजातीय युवाओं का आह्वान किया कि वे भगवान बिरसा मुंडा की विरासत से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राष्ट्रपति ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में मंत्रालय की प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाओं के जनजातीय लाभार्थियों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम 10 मई से 9 जून तक मनाए जा रहे *जनजातीय गरिमा उत्सव* के तहत *नए भारत में बिरसा की जीवंत विरासत सप्ताह* के दौरान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, जनजातीय कार्य -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय शेयर बाजार को डबल झटका, ताइवान के बाद अब दक्षिण कोरिया भी रैंकिंग में निकला आगे

नई दिल्ली। वैश्विक शेयर बाजारों की रैंकिंग में भारत को लगातार दूसरा झटका लगा है। पहले ताइवान ने भारत को पीछे छोड़कर पांचवां स्थान हासिल किया था और अब दक्षिण कोरिया भी भारत से आगे निकल गया। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे बड़े शेयर बाजारों की सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार दक्षिण कोरिया के सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्य बढ़कर लगभग 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। वहीं भारतीय शेयर बाजार का कुल बाजार पूंजीकरण घटकर करीब 4.8 लाख करोड़ डॉलर रह गया है। इस बदलाव के पीछे एआई से जुड़ी तकनीकों और चिप निर्माण उद्योग में आई तेजी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार में इस वर्ष करीब 86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस उछाल में देश की प्रमुख तकनीकी कंपनियों सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स की बड़ी भूमिका रही है। दोनों कंपनियां एआई आधारित मेमोरी चिप तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी मानी जाती हैं। हाल ही में इन दोनों कंपनियों का मूल्यांकन 1 लाख करोड़ डॉलर के स्तर को पार कर गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

दिल्ली से हो रही तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने की कोशिश : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के आरोपों को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को धर्मतला स्थित वाई चैनल में धरना कार्यक्रम आयोजित किया। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने धरना मंच से भाजपा पर विपक्षी आवाज दबाने का आरोप लगाया। इस दौरान बड़ी संख्या में तृणमूल कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे तथा लगातार *जय बांग्ला* के नारे लगाए गए। इस दौरान ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के इशारे पर टीएमसी को तोड़ने की कोशिश हो रही है। अपने संबोधन में ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद से ही उन्हें रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर जिंदा रहे तो भाजपा को हटा कर रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने तृणमूल के सांसदों और विधायकों को कथित तौर पर धमकाये जाने के भी आरोप लगाए। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने मंगलवार को दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक वाई चैनल में धरना कार्यक्रम की अनुमति दी थी। इसके बाद सुबह से ही तृणमूल नेताओं और कार्यकर्ताओं का वहां पहुंचना शुरू हो गया। कार्यक्रम स्थल के आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, विशेष रूप से महिला पुलिसकर्मी, तैनात रहीं। ममता बनर्जी को घेरकर पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। उनके संबोधन के दौरान बार-बार नारेबाजी होने से उन्हें कई बार रुकना पड़ा। बाद में उन्होंने कहा कि तृणमूल के अन्य नेता भी क्रमवार संबोधित करेंगे। इससे पहले तृणमूल ने रानी रासमणि एवेन्यू में धरना देने की घोषणा की थी लेकिन वहां अनुमति नहीं मिलने के कारण विवाद खड़ा हो गया। सोमवार को पुलिस ने सुझाव दिया था कि वाई चैनल में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अलग से आवेदन करना होगा। इसे लेकर तृणमूल नेताओं ने आपत्ति जताई थी। तृणमूल विधायक कुणाल घोष ने सवाल उठाया था कि पहले से घोषित कार्यक्रम के लिए दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता क्यों पड़ी। वहीं, सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया था कि देर रात ईमेल भेजकर नई अनुमति लेने को कहना विपक्षी स्वर को दबाने की कोशिश है। मंगलवार को धरना स्थल पर वरिष्ठ नेताओं की भी मौजूदगी रही। शोभनदेव चट्टोपाध्याय, नयना बंद्योपाध्याय, चंद्रिमा भट्टाचार्य, फिरहाद हाकिम और अशोक देव सहित कई नेता कार्यक्रम में शामिल हुए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक भी वाई चैनल में जुटे। तृणमूल का आरोप है कि राज्य में नई सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम कर रही है और विपक्षी दलों के कार्यक्रमों को अनुमति देने में बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। हालांकि राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि अतीत में तृणमूल शासन के दौरान भाजपा को भी कई कार्यक्रमों के लिए पुलिस अनुमति और अदालत की मंजूरी पर निर्भर रहना पड़ा था। इस बीच तृणमूल के भीतर चल रही असंतोष और गुटबाजी की चर्चाओं के बीच यह धरना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पहले रविवार को कालीघाट में हुई पार्टी की बैठक में 80 में से लगभग 60 विधायक अनुपस्थित रहे थे, जिसके बाद संगठन में मतभेद की अटकलें तेज हो गई थीं। हस्ताक्षर जालसाजी विवाद ने भी पार्टी की मुश्किलें बढ़ाई हैं। धरना कार्यक्रम से पहले मंगलवार सुबह कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास पर तृणमूल विधायक कुणाल घोष और मदन मित्रा ने बैठक की। बैठक में राज्यसभा सांसद डोला सेन भी उपस्थित थीं।

असम प्रदेश कांग्रेस में सतह पर आया अंतर्कलह, तंजिल हुसैन की नियुक्ति पर रोक

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस में अंतर्कलह एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है। असम प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष पद पर हुई तंजिल हुसैन की नियुक्ति को कांग्रेस हाईकमान ने अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, तंजिल हुसैन को युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष पद पर जुबैर आलम ने नियुक्त किया था। हालांकि, उनकी नियुक्ति पर पार्टी के भीतर ही विरोध के स्वर उठने लगे, जिसके बाद कांग्रेस हाईकमान ने इस नियुक्ति पर रोक लगाने का निर्णय लिया। सूत्रों के मुताबिक, असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के समर्थक खेमे की आपत्ति के चलते यह स्थगनादेश जारी किया गया। इस घटनाक्रम ने प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी और आंतरिक मतभेदों की चर्चाओं को और तेज कर दिया है। कांग्रेस हाईकमान द्वारा जारी आदेश के अनुसार तंजिल हुसैन की नियुक्ति अगले आदेश तक प्रभावी नहीं रहेगी। इस बीच, पार्टी के भीतर चल रहे मतभेदों को लेकर राजनीतिक गलियारों में विभिन्न प्रकार की चर्चाएं जारी हैं।

खुद को आइसोलेट करें, इबोला पर स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए एहतियाती सलाह जारी की है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत में अब तक इबोला का कोई भी एक्टिव मामला सामने नहीं आया है, लेकिन अफ्रीका के कुछ हिस्सों में बीमारी के लगातार फैलने के मद्देनजर निगरानी और तैयारियां मजबूत कर दी गई हैं। मंत्रालय ने उन सभी लोगों से अपील की है जिन्होंने पिछले 21 दिनों के भीतर किसी इबोला प्रभावित देश की यात्रा की है या वहां से गुजरे हैं। यदि बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या बिना किसी वजह से खून बहने जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत खुद को आइसोलेट कर लें और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जल्द रिपोर्ट करने से जान बचाई जा सकती हैं और बीमारी के फैलने को रोका जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, इबोला के लक्षण अचानक शुरू हो सकते हैं। इनमें बुखार, थकान, बेचैनी, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और गले में खराश प्रमुख हैं। बाद में उल्टी, दस्त, पेट दर्द, चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी परेशानी हो सकती हैं। खून बहना आम लक्षण नहीं है और यह बीमारी के अंतिम चरण में दिख सकता है। मंत्रालय ने जनता से अपील की है कि इबोला से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए 24×7 हेल्थ हेल्पलाइन नंबर 1075 पर संपर्क करें। मंत्रालय ने बताया कि देश में अभी तक इबोला के एक भी केस नहीं हैं, लेकिन स्वास्थ्य कर्मियों को लक्षणों पर विशेष नजर रखने और तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर सतर्कता

गुवाहाटी की सड़कों पर पुलिस ने पीछा कर दबोचे चोर

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में एक दिलचस्प लेकिन गंभीर चोरी के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बकरी चोरी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस ने शहर की सड़कों पर पीछा कर दबोचा। गुवाहाटी पुलिस ने आज बताया है कि, आरोपी तेजपुर से 12 बकरियां चोरी कर दो वाहनों में लादकर गुवाहाटी लेकर आए थे। सूचना मिलने के बाद फटाशिल आमबारी थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और संदिग्ध वाहनों का पीछा किया।

गौरव गोगोई ने की माधुर्य बर्मन हत्याकांड की निंदा, महिला सुरक्षा पर जागरूकता का आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने नलबाड़ी में माधुर्य बर्मन की हत्या तथा युवती मृदुमुद्रा डेका पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने उपचाराधीन युवती के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गोगोई ने कहा कि इस दुखद घटना ने पूरे असम को मर्माहत किया है। उन्होंने मृतक माधुर्य बर्मन के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए समाज से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने महिला एवं किशोरियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि उत्पीड़न, धमकी या हिंसा की स्थिति में तत्काल कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, समाज को अधिक सजग, जिम्मेदार और सक्रिय बनकर महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि रोज अली नामक युवक ने 30-31 मई की दरम्यानी रात को 19 वर्ष के माधुर्य और उसकी 17 वर्षीय बहन पर हमला कर दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटनास्थल पर ही माधुर्य की मौत हो गई, युवती का इलाज जारी है। वहीं, बाद में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रोज अली को पकड़ने की कोशिश की, इसी दौरान हुई मुठभेड़ में आरोपी रोज अली ढ़ेर हो गया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 94PSC/CON/Exam-04/2026-2027

RESULT

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 2nd June, 2026, the result of the recruitment to the posts of **Insurance Medical Officer (IMO) ESI Scheme, Assam under Labour Welfare Department** (Advt. No. 16/2025 dated 25/04/2025).

The interview for the said post was conducted by the Commission in collaboration with Experts deputed by the Govt. of Assam on 26th, 29in, 30th May & 2nd June, 2026. The Commission recommended the following candidates for the said posts, in order of merit :

Name of Post : **Insurance Medical Officer (1M0) ESI Scheme, Assam under Labour Welfare Department**
Total no. of posts : 13 (RFW: 2)1 PwBD : Nil, Ex-Servicemen : Nil
Break up : OC- 5 (RFW: 1), OBC/MOBC- 5 (RFW: 1), SC- 2 (RFW: 0), STP- Nil, STH- 1 (RFW: 0)

Position	Roll No.	Name of Candidate	Category	Gender	Recommended against vacancy
1.	10112	SAMSUL ALOM	GEN	M	Open Category
2.	10114	SAURAV DEKA	GEN	M	Open Category
3.	10031	DEVASISH BHUYAN	GEN	M	Open Category
4.	10046	HRISHIKESH KALITA	GEN	M	Open Category
5.	10073	MD SADIQE AHMED	OBC	M	Reserved
6.	10022	CHANDAMITA CHAKRABORTY	GEN	F	Open Category
7.	10061	KRINALINI TANTI	MOBC	F	Reserved
8.	10029	DEEPRANJAN DAS	SC	M	Reserved
9.	10074	MEHBUB ALAM MAZUMDAR	MOBC	M	Reserved
10.	10067	MANGGIN LHOUJEM	STH	M	Reserved
11.	10015	ARIF AHMED	MOBC	M	Reserved
12.	10128	SUNDAR CHANGMAI	OBC	M	Reserved
13.	10034	DIPANKAR SARKAR	SC	M	Reserved

• Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-24/3-Jun-26

पृष्ठ एक का शेष

आरोपी को सार्वजनिक ...

और भाजपा विधायक जयंत मल्लबारुआ ने मंगलवार को माधुर्ज्य के आवास का दौरा किया। माधुर्ज्य अपने परिवार की एकमात्र आशा और सहारा थे, और उनके असामयिक निधन से एक अपूरणीय शून्य उत्पन्न हो गया है। मैंने शोक संतप्त माता-पिता और स्थानीय निवासियों से मुलाकात की, अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन समय में परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया, मल्लाबारुआ ने कहा। भट्टाचार्य ने माधुर्ज्य की मौत को आसू के लिए एक व्यक्तिगत क्षति बताया और कहा कि किशोर ने अपने चचेरे भाई को बचाने की कोशिश में अपनी जान गंवाई।

लखीमपुर में एक और ...

ने आज मीडिया के सामने आरोप लगाया कि विवाह के बाद युवक युवती को अपने घर ले गया और उसे हैदराबाद ले जाने की तैयारी कर रहा था। इस बीच युवती किसी तरह वहां से निकलकर अपने पिता के घर पहुंच गई। मामले को लेकर मंगलवार को संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। युवती ने कहा कि शादी के बाद लड़का उसे धमका रहा था कि यदि लड़की उसके विरुद्ध गई और किसी और से शादी किया तो उस लड़के को भी मार देगा और खुद भी मरकर लड़की को विधवा बना देगा। स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय के असम में लव जिहाद की एक के बाद एक घटना सामने आ रही है, जिनमें मुस्लिम युवक हिंदू लड़कियों को फुसलाकर धोखे से उसके साथ शादी कर रहे हैं।

मिशन सेनेहजोरी : असम के ...

उत्पादकों को प्रभावित किया है। इस मिशन का एक प्रमुख घटक डिजिटल ट्रेसबिलिटी और क्यूआर-सक्षम जीआई प्रमाणीकरण की शुरुआत करना है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उपभोक्ता मुगा उत्पादों की प्रामाणिकता को सत्यापित कर सकें और अवैध नकल को रोकने में मदद मिल सके। इस मिशन को एक अनूठा सहयोगात्मक प्रयास बताते हुए, सिंधिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह मंत्रालयों, संस्थानों, निजी निवेशकों और उत्पादक समूहों सहित ग्यारह हितधारकों को एक साथ लाता है। सिंधिया ने कहा कि यह कोई पारंपरिक सरकारी परियोजना नहीं है। यह अखिल भारतीय स्तर का सहयोगात्मक प्रयास है, जिसमें मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारक मूगा रेशम के लिए एक स्थायी भविष्य के निर्माण हेतु एकजुट हुए हैं। इस मिशन का उद्देश्य मुगा रेशम के वार्षिक निर्यात को वर्तमान स्तर लगभग 500 किलोग्राम से बढ़ाकर 2,000 किलोग्राम करना है, साथ ही स्वयं सहायता समूह के नेतृत्व वाले उद्यमों के माध्यम से परिधान निर्माण को बढ़ावा देना है। केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने कहा कि यह पहल वस्त्र मंत्रालय के उस दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है जिसके तहत भारतीय रेशम को *किसान से लेकर कपड़े, फैशन और विदेशी बाजारों तक* ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मिशन सेनेहजोरी से रेशम पालकों और बुनकरों से लेकर उद्यमियों और निर्यातकों तक, सभी हितधारकों को सशक्त बनाया जाएगा। भारत का कुल रेशम उत्पादन 2014 में लगभग 24,299 मीट्रिक टन से बढ़कर आज 34,000 मीट्रिक टन से अधिक हो गया है, और यह मिशन वैश्विक रेशम उद्योग में असम की स्थिति को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लॉन्च को असम के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मुगा रेशम असम की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान में गौरवपूर्ण स्थान रखता है। असम की रेशम विरासत के संदर्भ प्राचीन साहित्य और ऐतिहासिक अभिलेखों में मिलते हैं। इस मिशन के माध्यम से, हमारे रेशम पालकों और बुनकरों को वैश्विक बाजारों, नई तकनीकों, समकालीन डिजाइनों और बेहतर आय के अवसरों तक पहुंच प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से सदियों पुरानी परंपरा संरक्षित रहेगी और साथ ही ग्रामीण समुदायों के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी पैदा होंगे। सिंधिया ने मुगा को समकालीन उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक बनाने के लिए नवाचार और उत्पाद विविधीकरण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुगा को भारत के बाहर भी अपार पहचान प्राप्त है। हमें पारंपरिक उत्पादों से आगे बढ़कर एक विविध उत्पाद सूची तैयार करनी होगी। हमारे हथकरघा और वस्त्र उद्योग को अग्रणी डिजाइनरों और संस्थानों के साथ मिलकर ऐसे उत्पाद विकसित करने चाहिए जो बदलते वैश्विक रुझानों के अनुरूप हों और साथ ही कपड़े की प्रामाणिकता को भी बनाए रखें, उन्होंने कहा। इसे हासिल करने के लिए, यह मिशन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) जैसे संस्थानों के साथ-साथ प्रमुख डिजाइनर ब्रांडों के सहयोग से एक मुगा डिजाइन इनोवेशन लैब की स्थापना करेगा। सिंधिया ने कहा कि इस मिशन का विचार तब आया जब उन्होंने नई दिल्ली में अष्टलक्ष्मी कार्यक्रम में मुगा उत्पादों की विविधता को देखा। उन्होंने इसे डोनर की व्यापक पूर्वोत्तर रणनीति के संदर्भ में रखा, जिसके तहत पहले से ही नागालैंड की कॉफी, मिजोरम के अदरक, सिक्किम के जैविक खाद्य पदार्थ, त्रिपुरा के क्वीन अनानास और अरुणाचल प्रदेश के कीवी के लिए समर्पित मिशन शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुगा की सुनहरी चमक, टिकाऊपन, विशिष्ट पहचान और जीआई स्टेटस ने हमें आश्वस्त किया कि यह एक समर्पित मिशन का हकदार है। आज हम असम के सुनहरे रेशम को दुनिया के बेहतरीन लक्जरी वस्त्रों में स्थान दिलाने की यात्रा शुरू कर रहे हैं।

सीबीएसई अध्यक्ष और ...

सूत्रों के अनुसार सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया गया है। वहीं एक कार्यालय ज्ञापन के अनुसार क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस राधा चौहान की एक जांच समिति का गठन किया गया है। उन्हें एक माह के अंदर प्रोक्योरमेंट (खरीद) की जांच कर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को रिपोर्ट सौंपनी है। ओएसएम सीबीएसई की नई ऑन-स्क्रीन मार्किंग डिजिटल प्रणाली है, जिसको इसी साल कक्षा 12 की परीक्षाओं के लिए शुरू किया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने नीति ...

साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करना है, ताकि ऐसे सुधार और नीतियां लागू की जा सकें जिनसे हमारे लोगों के जीवन की सुगमता (इज ऑफ लीविंग) में सुधार हो। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब असम केंद्रीय संस्थानों के सहयोग से शासन सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और कल्याणकारी पहलों को आगे बढ़ा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि नीति आयोग के साथ घनिष्ठ सहयोग से नीतियों को लागू करने की गति तेज होगी और प्रमुख क्षेत्रों में बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद मिलेगी। जाने-माने अर्थशास्त्री और सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ डॉ. लाहिड़ी ने सरकार और शिक्षा जगत में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर उनकी नियुक्ति से भारत की विकास प्राथमिकताओं को आकार देने और राज्यों को सतत एवं समावेशी विकास हासिल करने में सहायता प्रदान करने में इस संस्था की भूमिका को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत-बांग्लादेश सीमा...

जुड़े सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। बैठक से पहले गृह मंत्री पश्चिम त्रिपुरा जिले के कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करेंगे। वहां वह सुरक्षा व्यवस्था और मौजूदा हालात का निरीक्षण करेंगे। अपने दौरे के दौरान अमित शाह कुछ आधारभूत ढांचा परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। वह वृक्षारोपण अभियान में भाग लेंगे और सैनिक सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। गृह मंत्री एक होटल परियोजना के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। यह परियोजना त्रिपुरा सरकार और एक निजी संस्था के सहयोग से विकसित की जाएगी। गृह मंत्री के दो दिवसीय दौरे को लेकर राज्य सरकार, बीएसएफ और पश्चिम त्रिपुरा जिला प्रशासन व्यापक तैयारियों में जुटे हुए हैं। त्रिपुरा की बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगती है। राज्य तीन ओर से बांग्लादेश से घिरा हुआ है। इसी कारण यह क्षेत्र अवैध घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराधों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। करीब 21 किलोमीटर के दुर्गम क्षेत्र को छोड़कर अधिकांश सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है।

बंगाल में महाराष्ट्र जैसा...

मुख्य मुद्दे उठाएंगे। पहला, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है। लगभग 50 विधायक हमारे साथ हैं। हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, चूंकि हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं, इसलिए विपक्ष के नेता ऋतुब्रत बंदोपाध्याय होंगे, न कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए यह चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए। पूर्व टीएमसी नेता ने कहा कि इस समय बंगाल में शिवसेना महाराष्ट्र मॉडल लागू है। मैं दो बहुत ही जरूरी बातें कहना चाहता हूं। पहली- अभिषेक बनर्जी को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। जिन-जिन लोगों को अभिषेक बनर्जी हाथ पकड़कर इस पार्टी में लाए थे, उन्हीं सबने पार्टी की पीठ में छुरा घोंपा है। तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी को भी इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी... जो बातें मैंने 8 और 9 तारीख को कही थीं, आज वे लोग भी वही बातें कह रहे हैं। वे आईपैक से नाराज हैं। वे अभिषेक बनर्जी से नाराज हैं। तृणमूल कांग्रेस में टूट और बगावत की चर्चा ने मुख्य रूप से 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद जोर पकड़ा। 4 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के साथ टीएमसी का राज्य पर 15 साल का शासन समाप्त हो गया और भाजपा ने बहुमत (208 सीटें) हासिल किया, जबकि टीएमसी मात्र 80 सीटों पर सिमट गई। इसके बाद से टीएमसी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने लगातार इस हार के लिए शीर्ष नेतृत्व (ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी) के साथ चुनाव लड़ने वाले नेताओं को घेरा है।

अल नीनो की आशंका ...

व्यवस्था, राज्यों की तैयारियों और संभावित प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। चौहान ने स्पष्ट किया कि मौसम संबंधी पूर्वानुमानों को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयास, बेहतर जल प्रबंधन, उन्नत तकनीक, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जलवायु-सहनशील कृषि उपायों के कारण संभावित चुनौतियों का प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उपलब्ध आकलन के अनुसार जलाशयों का भंडारण इस अवधि के सामान्य स्तर के 127.01 प्रतिशत पर है, जिससे खरीफ मौसम में सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी और नमी की कमी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि अब चुनौती केवल वर्षा पूर्वानुमान की नहीं, बल्कि उससे जुड़ी जमीनी तैयारी की है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन राज्यों और जिलों में कम वर्षा, लंबा ड्राई स्पेल या अल नीनो का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां विशेष निगरानी, सतत समीक्षा और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिला स्तर तक आकस्मिक योजनाएं सक्रिय की जाएं और कंटिन्जेंसी प्लान को केवल कागजी कार्यवाही न माना जाए।

इस साल के अंत तक ...

स्वामीनाथन ने मुलाकात की। दोनों ही अधिकारियों ने 31 मई को अपने-अपने पद संभाले हैं। देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के तौर पर कार्यभार संभालने वाले जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि सशस्त्र बलों में बदलाव के लिए संगठनात्मक सुधार पर मुख्य फोकस होगा। आत्मनिर्भरता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्रीय स्तंभ है। हम अपने सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी हथियारों का विकास करके उन्हें सेवा में तेजी से शामिल करेंगे। इसी तरह नए नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि %मैं अपनी जिन्दगी का हर एक दिन नौसेना को बेहतर, मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाऊंगा, ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके।

देश की संप्रभुता ...

की पीठ ने कहा कि अगर देश की संप्रभुता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच कोई टकराव होता है, तो निश्चित रूप से देश की संप्रभुता को ही प्राथमिकता मिलेगी, खासकर जब नशीले पदार्थों की आपूर्ति के रूप में देश के खिलाफ एक तरह का युद्ध चल रहा हो। यह देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इस मामले में आरोपी पर पहले भी इसी तरह के अपराधों के आरोप लगे हैं, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि वह जमानत पर बाहर रहते हुए ऐसा अपराध नहीं करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपी अब तक एक साल सात महीने जेल में रह चुका है। दोषी पाए जाने पर उसे अधिकतम 20 साल की सजा हो सकती है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उसने इतनी लंबी कैद झेली है कि उसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत राहत दी जाए। कोर्ट ने कहा कि कई बार लंबे समय तक जेल में रहने पर जमानत दी जाती है, लेकिन यह नियम हर मामले में समान रूप से लागू नहीं होता। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि लंबी कैद क्या होती है, इसका कोई निश्चित कानूनी मानक अब तक तय नहीं किया गया है।

कर्नाटक के नए...

मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद के कुछ सदस्य भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं। हालांकि मंत्रिमंडल के अंतिम स्वरूप को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। समारोह में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी रहने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार की ओर से वीआईपी अतिथियों के लिए निमंत्रण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। लगभग 800 विशिष्ट अतिथियों को समारोह में आमंत्रित किया गया है, जबकि 2,200 से अधिक प्रवेश पास जारी किए गए हैं। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की उम्मीद है। इसे देखते हुए लोक भवन और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है और सुरक्षा एजेंसियां लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान संभावित यातायात दबाव को देखते हुए प्रशासन ने विशेष कदम उठाए हैं। विधान सौधा, विकास सौधा और एमएस बिल्डिंग में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए दोपहर बाद अवकाश घोषित किया गया है, ताकि शहर के केंद्रीय हिस्से में यातायात जाम की स्थिति को कम किया जा सके। साथ ही नागरिकों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

प्रतिभा को केवल ...

राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, राष्ट्रपति की सचिव दीप्ति उमाशंकर, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा मंत्रालय की तीन प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाएं अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, जनजातीय विद्यार्थियों के लिए उच्चस्तरीय शिक्षा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति और राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजना के 200 चयनित लाभार्थी शामिल हुए। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने यह बताया कि भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं ने किस प्रकार उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है और उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान किया है। ऐसी सफलता की कहानियां देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। देश के दूरस्थ गांवों और जनजातीय अंचलों में प्रतिभाशाली युवाओं की कोई कमी नहीं है।

भारतीय शेयर बाजार को ...

एआई की वैश्विक मांग बढ़ने से चिप निर्माण कंपनियों को बड़ा लाभ मिला है। इसी वजह से दक्षिण कोरिया का प्रमुख शेयर सूचकांक इस वर्ष 100 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज करने में सफल रहा है। बता दें कि दक्षिण कोरिया ने इस दौरान कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे बड़े बाजारों को भी पीछे छोड़ दिया है। एसेट वैल्यू इन्वेस्टर्स के वरिष्ठ निवेश विश्लेषक रॉस मैकगैरी के अनुसार दक्षिण कोरिया का भारत के बराबर पहुंचना और फिर आगे निकलना एक बड़ी उपलब्धि है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बाजार में आई इस तेजी का बड़ा हिस्सा चिप उद्योग पर आधारित है। भविष्य में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या व्यापक स्तर पर कॉरपोरेट सुधार और आर्थिक मजबूती इस तेजी को बनाए रख पाती है या नहीं। दूसरी ओर भारतीय शेयर बाजार को हाल के महीनों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। रुपए में कमजोरी, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और एआई से सीधे जुड़ी बड़ी कंपनियों की सीमित मौजूदगी ने बाजार पर दबाव बनाया है। यही वजह है कि भारत की रैंकिंग में गिरावट देखने को मिली है। हालांकि शेयर बाजार के आकार में पीछे होने के बावजूद भारत आर्थिक मोर्चे पर दक्षिण कोरिया से काफी आगे बना हुआ है।

सूरत में दो बसों की...

बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गुजरात एसटी की बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र डिपो की बस धुलिया से नवापुर होते हुए सूरत की ओर जा रही थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया। हादसे के बाद स्थिति और भयावह हो गई, जब पलटी हुई बस में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। कुछ यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई, जबकि कई लोग आग की चपेट में आ गए। हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है। हालांकि कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही बरदोली फायर ब्रिगेड, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बरदोली भेजा गया है। वहीं घायल यात्रियों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं बस हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया। पीएमओ की तरफ से एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया है कि गुजरात के सूरत जिले में हुई एक दुर्घटना के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ।।

मियां अपराध पर कठोर कानून बनाए जाएं : असम भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के सामता भकतपाड़ा निवासी तथा पश्चिम नलबाड़ी आंचलिक छात्र संघ के सहायक सचिव माधुर्य बर्मन की कथित रूप से रोज अली उर्फ आसिक अली और हितेश अली द्वारा बर्बर हमले में हत्या तथा उनकी बहन मृदुमुद्रा डेका के गंभीर रूप से घायल होने की घटना ने पूरे असम को झकझोर दिया है। मृदुमुद्रा डेका वर्तमान में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से आज जारी एक बयान में पार्टी के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने आरोप लगाया कि मियां समुदाय के कुछ तत्व सुनियोजित तरीके से तथाकथित *लव जिहाद* को बढ़ावा देकर असम की नई पीढ़ी को भ्रमित करने तथा भारत की प्राचीन सनातन सभ्यता की जड़ों को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नलबाड़ी के सामता की यह भयावह

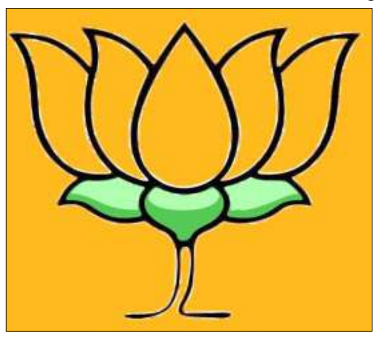

घटना एक बार फिर दर्शाती है कि कुछ असामाजिक तत्व हिंदू युवकों के विरुद्ध हिंसा करके विकृत मानसिक संतुष्टि प्राप्त करते हैं। प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, राइजर दल, असम जातीय परिषद तथा वामपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ तथाकथित हिंदू नेताओं की तुष्टिकरण की राजनीति ने ऐसे तत्वों का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ये नेता मियां समुदाय के हितों की रक्षा के लिए तो आगे आते हैं, लेकिन उसी समुदाय के अपराधियों के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस नहीं दिखाते। इसके परिणामस्वरूप, उनके अनुसार, युवतियां *लव जिहाद* की शिकार हो रही हैं और असमिया युवकों की जान अपराधियों के हाथों जा रही है। बयान में छयगांव की एक अन्य घटना का भी उल्लेख किया गया, जिसमें अक्कास अली नामक व्यक्ति पर एक हिंदू नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप है। बाद में पुलिस कार्रवाई के दौरान वह घायल हो गया था। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अब समय आ गया है कि ऐसे कथित आपराधिक और समाज विरोधी तत्वों के विरुद्ध राज्य सरकार सबसे कठोर कदम उठाए, ताकि असमिया समाज की सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द की रक्षा की जा सके। प्रदेश भाजपा ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से आग्रह किया कि ऐसे अपराधों को रोकने के लिए अभूतपूर्व दंडात्मक उपाय किए जाएं तथा कठोर कानून बनाए जाएं। पार्टी ने यह भी मांग की कि ऐसे अपराधों को प्रोत्साहित करने या उनका समर्थन करने वालों के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, पार्टी ने आरोपी रोज अली के विरुद्ध की गई पुलिस कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री और असम पुलिस का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि फरार होने के प्रयास के दौरान पुलिस मुठभेड़ में आरोपी रोज अली मारा गया। भाजपा ने मृतक माधुर्य बर्मन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति और सद्गति की प्रार्थना की। पार्टी ने कहा कि अपनी बहन को बचाने के लिए प्राणों की परवाह न करते हुए उन्होंने जो साहस और बलिदान का परिचय दिया, वह समाज के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। पार्टी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अस्पताल में उपचाराधीन घायल युवती के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की भी कामना की।

माधुर्य वर्मन हत्याकांड : परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे पूर्व मंत्री व विधायक जयंतमल्ल बरुवा

नलबाड़ी (हिंस)। असम के नलबाड़ी जिले में जान गंवाने वाले माधुर्य बर्मन के परिवार से मिलने मंगलवार को पूर्व मंत्री एवं विधायक जयंतमल्ल बरुवा उनके आवास पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की तथा परिवार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। बहन को कथित अपहरण और हमले से बचाने की कोशिश कर रहे छात्र नेता माधुर्य बर्मन की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस अवसर पर जयंतमल्ल बरुवा ने कहा कि ऐसे मामलों के खिलाफ सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं केवल एक परिवार को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करती हैं और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती हैं। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार और प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने लोगों से सतर्क और जागरूक रहने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज विरोधी गतिविधियों के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाना समय की आवश्यकता है। इस दौरान माधुर्य बर्मन के परिजनों ने विधायक के समक्ष अपनी व्यथा रखी। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। बरुवा ने परिजनों को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया।

कांग्रेस में अंतर्कलह : हैलाकांदी जिला के चार नेता निलंबित

हैलाकांदी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस में जारी अंदरूनी कलह एक बार फिर सामने आई है। हैलाकांदी जिला कांग्रेस के चार नेताओं को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने 2 जून को रेफ नं. एपीसीसी/2026/आर्डर/403 के तहत जारी आदेश में निलंबन की जानकारी सार्वजनिक की। एपीसीसी के महासचिव रामन्ना बरुवा द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के अनुसार, 30 मई को हैलाकांदी में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान हुई घटनाओं के चलते जिला कांग्रेस के चार महासचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश पर निलंबित किए गए नेताओं में जाहान उद्दीन बरभुइया, सरीम सादियुल, मितुज्जमान लस्कर तथा नजमुल हुसैन बरभुइयां शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि 30 मई को आयोजित जिला कांग्रेस की समीक्षा बैठक के दौरान इन नेताओं ने कथित रूप से पार्टी के भीतर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न की थी। आरोप है कि बैठक में उन्होंने विधायक अमीनुल हक लस्कर के साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें वहां से जाने के लिए मजबूर किया। घटना के बाद पार्टी नेतृत्व ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन का निर्णय लिया।

एनसीसी कैडेट्स ने नलबाड़ी में ट्रेनिंग कैंप पूरा किया

गुवाहाटी। गुवाहाटी ग्रुप के तहत 1 असम बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी)-34 आज जवाहर नवोदय विद्यालय, नलबाड़ी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह दस-दिवसीय शिविर, जो 23 मई से 01 जून 2026 तक चला, गुवाहाटी, नलबाड़ी, रंगिया और तमूलपुर के स्कूलों और कॉलेजों से आए सीनियर और जूनियर डिवीजन (एससी) के 520 एनसीसी कैडेट्स (लड़के और लड़कियां) को एक साथ लाया। इस शिविर का उद्देश्य युवाओं को बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण देना और उनमें नेतृत्व, अनुशासन, चरित्र तथा निस्वार्थ

सेवा की भावना विकसित करना था। शिविर के दौरान, कैडेट्स ने ड्रिल, हथियारों को संभालने, नक्शा पढ़ने और फायरिंग अभ्यास में गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। कैडेट्स के ज्ञान और समकालीन मुद्दों के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए नेतृत्व, राष्ट्रीय एकता और समाज सेवा पर विशेष व्याख्यानों की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई। एआरओ नारंगी और असम कौशल विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा करियर मार्गदर्शन व्याख्यान भी आयोजित किए गए। शिविर का एक मुख्य आकर्षण 27 मई 2026 को गुवाहाटी ग्रुप के ग्रुप कमांडर, ब्रिगेडियर एनसी खुमान का दौरा था। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की, कैडेट्स और कर्मचारियों के साथ बातचीत की, और अनुशासित, जिम्मेदार और देशभक्त नागरिक बनाने में राष्ट्रीय कैडेट कोर की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। शिविर का समापन एक औपचारिक समापन समारोह के साथ हुआ, जिसकी अध्यक्षता शिविर कमांडेंट ने की। समारोह के दौरान, विभिन्न प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट कैडेट्स और विजेता स्कूलों तथा कॉलेजों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सीएटीसी-34 का सफल समापन एनसीसी द्वारा असम के भविष्य के नेताओं और जिम्मेदार नागरिकों को गढ़ने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम था, जो एनसीसी गुवाहाटी ग्रुप, एनईआर निदेशालय द्वारा प्रदान किए गए परिवर्तनकारी प्रशिक्षण और मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से संभव हुआ।

134 इकोलॉजिकल टास्क फोर्स का एनसीसी कैडेट्स के लिए जंगल ट्रेल और प्लांटेशन कैंप का आयोजन किया

विश्वनाथ (विभास)। विश्व पर्यावरण बचाने और देश बनाने में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने की एक बड़ी पहल में, एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर, तेजपुर के कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप में शामिल कुल एक सौ एनसीसी कैडेट्स ने सोमवार को बिहाली रिजर्व फॉरेस्ट में 134 इंफैंट्री बटालियन (टेरिटोरियल आर्मी) इकोलॉजिकल असम (134 ईटीएफ) द्वारा आयोजित जंगल ट्रेल और प्लांटेशन कैंपेन में हिस्सा लिया। बिहाली में 134 इकोलॉजिकल टास्क फोर्स (134 ईटीएफ) के प्रोजेक्ट एरिया में चलाए गए इस प्रोग्राम का मकसद युवाओं में पर्यावरण के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इस इलाके में पेड़ लगाने और इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन की कोशिशों में एक्टिव रूप से हिस्सा लेना था। हिस्सा लेने वाले कैडेट्स में असम और अरुणाचल प्रदेश के अलग-अलग शैक्षिक प्रतिष्ठानों के लड़के और

लड़कियां शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत *नो योर टीए* प्रोग्राम के तहत एक इंटरैक्टिव सेशन से हुई, जिसमें 134 ईटीएफ के अधिकारियों ने टेरिटोरियल आर्मी और 134 ईटीएफ की भूमिका, संगठन और जिम्मेदारियों पर एक जानकारी भरा लेक्चर दिया। कैडेट्स को इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन, जंगल बचाने और लगातार पेड़ लगाने और पर्यावरण बचाने की कोशिशों के जरिए असम के नाजुक इकोसिस्टम को बचाने में इकोलॉजिकल टास्क फोर्स के अहम योगदान के बारे में बताया गया। ओरिएंटेशन के बाद, कैडेट्स ने बिहाली रिजर्व फॉरेस्ट में 6 किलोमीटर का जंगल ट्रेल और नेचर वॉक किया। ट्रेकिंग एक्टिविटी से उन्हें इलाके की रिच बायोडायवर्सिटी का सीधा अनुभव हुआ और कैडेट्स को इलाके के नेचुरल हैबिटैट और वाइल्डलाइफ की सुरक्षा के लिए लागू किए जा रहे कंजर्वेशन उपायों की अहमियत समझने में मदद मिली। प्रोग्राम की खास बात बड़े पैमाने पर प्लांटेशन ड्राइव थी, जिसके दौरान एनसीसी कैडेट्स और स्टाफ ने 134 श्वञ्ज्ञस्न द्वारा पहचाने गए तय इलाकों में कुल पांच सौ पौधे लगाए। इस एक्टिविटी ने एनवायरनमेंट की देखभाल के लिए एनसीसी के कमिटमेंट को दिखाया और क्लाइमेट चेंज से निपटने और आने वाली पीढ़ियों के लिए नेचुरल रिसोर्स को बचाने में मिलकर काम करने की जिम्मेदारी के मैसेज को मजबूत किया। यह प्रोग्राम एनसीसी कैडेट्स और ईटीएफ के लोगों के बीच बातचीत के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म भी था, जिससे युवा पार्टिसिपेंट्स को देश बनाने और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में डिसिप्लिन्ड एनवायरनमेंटल एक्शन की भूमिका को समझने में मदद मिली। इस मौके पर मौजूद लोगों में 5 असम बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल टी. उन्नीकृष्णन; 134 ईटीएफ असम के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आदर्श नायक; बिहाली 134 ईटीएफ के कंपनी कमांडर; मेजर एनएस देवड़ा, कंपनी कमांडर मेजर अजय चिंतला और एनसीसी स्टाफ के सदस्य शामिल थे।

गुवाहाटी में सनसनी, एक ही विद्यालय की चार छात्राएं लापता

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बशिष्ठ क्षेत्र में एक ही विद्यालय की चार छात्राओं के रहस्यमय ढंग से लापता होने की घटना से सनसनी फैल गई है। छात्राओं के परिजन और स्थानीय लोग गहरी चिंता में हैं। लापता छात्राओं की पहचान दैमारी, बरुवा, सिंह और राय उपाधिधारी के रूप में हुई है। चारों छात्राएं बेलतला माझीपारा मिडिल इंग्लिश स्कूल की छात्राएं हैं तथा बशिष्ठ के बेहारबाड़ी क्षेत्र की निवासी हैं। परिजनों के अनुसार, छात्राएं सोमवार सुबह विद्यालय जाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन उसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका। काफी खोजबीन के बावजूद छात्राओं का कोई सुराग नहीं मिला है। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है और छात्राओं की तलाश के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है तथा छात्राओं के बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

माजुली में नाबालिग के साथ बलात्कार के छह आरोपी गिरफ्तार

माजुली (हिंस)। माजुली में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में व्यापक आक्रोश पैदा किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने घर में लोगों की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर बलात्कार किया। इतना ही नहीं, शिकायत में यह भी उल्लेख है कि पीड़िता को किसी को सूचित न करने की धमकी दी गई और चेतावनी दी गई कि उसके जान को खतरा होगा। पीड़िता की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने जांच शुरू की और छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस बीच, पुलिस घटना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जांच जारी रखे हुए है। इस घटना के चलते क्षेत्र में व्रयापक तिक्रिया व्याप्त है और अपराधियों के खिलाफ सख्त सजा की मांग उठाई है।

लोक भवन असम ने तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्थापना दिवस मनाने की राष्ट्रव्यापी पहल के तहत, लोक भवन असम ने आज यहां असम राज्य संग्रहालय के कनकलाल बरुआ सभागार में तेलंगाना का राज्य स्थापना दिवस मनाया। इस समारोह में *एक भारत श्रेष्ठ भारत* की भावना झलक रही थी और इसने विविधता में एकता की भारत की अटूट शक्ति को उजागर किया। इस कार्यक्रम ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को एक मंच पर लाकर तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और उल्लेखनीय विकास यात्रा का सम्मान किया। रूपांतरण और विकास, श्रम कल्याण, तथा चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण मंत्री, श्री रामेश्वर तेली, इस समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस उन बलिदानों और सामूहिक प्रयासों को याद करने का अवसर है, जिनके परिणामस्वरूप 2 जून, 2014 को तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था। उन्होंने उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने राज्य स्थापना आंदोलन में योगदान दिया था, और

तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को रेखांकित किया; जिसमें गौरवशाली काकतीय विरासत, यूनेसको विश्व धरोहर सूची में शामिल रामप्पा मंदिर, प्रतिष्ठित चारमीनार, तथा तेलुगु भाषा, साहित्य, लोक कलाओं और त्योहारों की जीवंत परंपराएं शामिल हैं। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेलंगाना की प्रभावशाली प्रगति का भी उल्लेख किया, जिसने इस राज्य को देश के अग्रणी विकास केंद्रों में से एक बना दिया है। असम और तेलंगाना के बीच मजबूत सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंधों का जिक्र करते हुए, श्री तेली ने कहा कि दोनों राज्य अपनी अनूठी पहचान को बनाए रखते हुए, राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। असम सरकार के संस्कृति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, बी कल्याण चक्रवर्ती ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, और राज्य स्थापना दिवसों का यह उत्सव आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने में मदद करते हैं। दोनों राज्यों के लोगों के बीच गहरे आपसी संबंधों को उजागर करते हुए, श्री चक्रवर्ती ने कहा कि असम में रहने वाले तेलंगाना के निवासी, और साथ ही तेलंगाना में रहने वाले असम के लोग, अपने-अपने राज्यों के विकास और प्रगति में बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल के संयुक्त सचिव, श्री अरिंदम बरुआ ने स्वागत भाषण दिया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना की समृद्ध कलात्मक परंपराओं और लोक विरासत को दर्शाने वाली मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी पेश की गईं।

नगांव में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

नगांव (निसं)। आगामी जनगणना को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को नगांव जिला परिषद कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जिला आयुक्त देबाशीष शर्मा ने कहा कि सटीक जनगणना ही देश की प्रगति को गति प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे। इसलिए जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी निष्ठा एवं शुद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उद्घाटन समारोह में अतिरिक्त आयुक्त कमलजीत शर्मा, सहायक आयुक्त अंजलि कुमारी के अलावा जिले के सभी सर्किल अधिकारी और खंड विकास अधिकारी उपस्थित थे। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि प्रथम चरण के अंतर्गत गृह सूचीकरण और आवास जनगणना से संबंधित यह प्रशिक्षण 3 जून तथा 8 जून को भी आयोजित किया जाएगा। प्रारम्भिक शिक्षण कार्यक्रम में सूचना संग्रहण की प्रक्रिया, डिजिटल गणना प्रणाली तथा आवश्यक समन्वय व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इस बार देश में पहली बार पूरी तरह

डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से तेज एवं सटीक जनगणना संपन्न की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 अगस्त से नागरिकों के लिए स्व-जनगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा शुरू होगी, जबकि 17 अगस्त से आधिकारिक रूप से गृह सूचीकरण का कार्य आरंभ किया जाएगा। इसके बाद मुख्य जनसंख्या गणना प्रक्रिया फरवरी 2027 से शुरू होगी। जिला आयुक्त देबाशीष शर्मा ने जिले के लोगों से अपील की कि वे जनगणना कार्य को सफल बनाने के लिए घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने वाली टीमों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं तथा बिना किसी संकोच के पूरा सहयोग दें, ताकि एक पारदर्शी और सटीक जनगणना सुनिश्चित की जा सके।

एसएसबी ने सीमावर्ती आईपॉली गांव में आयोजित किया नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर

कोकराझाड़ (विभास)। भारत-भूटान सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की छठी वाहिनी, रानीगुली द्वारा जन-कल्याणकारी गतिविधियों के तहत एक नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सीमावर्ती गांव आईपॉली-1 में आयोजित हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में पशुपालकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर का नेतृत्व क्षेत्रक मुख्यालय बोंगाईगांव के पशु चिकित्सा अधिकारी, सहायक कमांडेंट डॉ. यतींद्र सिंह सेंगर ने किया। इस दौरान सीमा चौकी आईपॉली के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पशुपालक अपने मवेशियों को लेकर पहुंचे। शिविर में कुल 83 मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क वितरित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित एसएसबी अधिकारियों ने कहा कि बल न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी सदैव तत्पर है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिविरों के आयोजन का मुख्य लक्ष्य ग्रामीणों को पशु संरक्षण के महत्व को समझाना और सीमा क्षेत्र में जन-सेवा की भावना को सुदृढ़ करना है। एसएसबी द्वारा किए गए इस मानवीय प्रयास की स्थानीय ग्रामीणों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। पशुपालकों ने कहा कि दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्र में इस तरह की चिकित्सा सुविधा मिलने से उनके पशुधन की सुरक्षा में बहुत मदद मिली है। इस पहल ने ग्रामीणों और सुरक्षा बल के बीच विश्वास के बंधन को और अधिक मजबूत किया है।

गज बांधव ने मानव-हाथी संघर्ष और प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ शुरू किया अनोखा नुक्कड़ नाटक जागरूकता अभियान

गुवाहाटी। जंगली हाथियों और इंसानों के बीच सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने और बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से, *गज बांधव एलीफेंट वेलफेयर ट्रस्ट* ने आज से एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। संस्था के प्रबंध न्यासी भास्करज्योति दास के नेतृत्व में, स्वयंसेवक संघर्ष-संभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और शैक्षणिक नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता बढ़ा रहे हैं। इन प्रदर्शनों के जरिए विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला जा रहा है कि जब जंगली हाथी इंसानी बस्तियों में प्रवेश करें, तो आम जनता को कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए और किन बातों से बचना चाहिए। इस विशेष पहल की आधिकारिक शुरुआत गुवाहाटी के बाहरी इलाके बामुनखट में आमचंग चाय बागान स्थित मुक्तिजोध्या कामाख्या प्रसाद त्रिपाठी मॉडल स्कूल के परिसर से की गई। इस अवसर पर बामुनखट प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और छात्र भी उपस्थित थे। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों के बीच व्यापक जागरूकता पैदा की गई कि मानव-हाथी संघर्ष से कैसे बचा जाए, हाथियों के सामने आने पर क्या सुरक्षा उपाय अपनाए जाने चाहिए और *सिंगल-यूज प्लास्टिक* (एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक) को पूरी तरह से त्यागने की कितनी सख्त आवश्यकता है। छात्रों ने इस नाटक का भरपूर आनंद लिया और शिक्षक समुदाय ने *गज बांधव* के प्रयासों की सराहना की। स्कूल के प्रधानाचार्य रतुल बोरा ने भास्करज्योति दास के नेतृत्व में *गज बांधव* द्वारा की गई इस पहल को

बेहद सामयिक और प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि यह जागरूकता नाटक भविष्य में छात्रों को मानव-हाथी संघर्ष से बचने के लिए प्रोत्साहित करेगा और उन्हें प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के प्रति गहराई से जागरूक बनाएगा। इसके बाद, *गज बांधव* की टीम ने खेतरी मॉडल हाई स्कूल, बुढ़ी गोसानी एमई स्कूल और बेलगुड़ी एलपी स्कूल के छात्रों के लिए भी इस जागरूकता नाटक का सफलतापूर्वक मंचन किया। इस अभियान के बारे में मीडिया से बात करते हुए *गज बांधव* के प्रबंध न्यासी भास्करज्योति दास ने कहा कि जिन क्षेत्रों में मानव-हाथी आमना-सामना होने की घटनाएं अक्सर होती हैं, वहां हमें स्कूली स्तर से ही छात्रों के भीतर सह-अस्तित्व का संदेश पैदा करने की आवश्यकता है। यदि वे अपने छात्र जीवन में ही प्रकृति में हाथियों के महत्व और संघर्ष-मुक्त सह-अस्तित्व की आवश्यकता को समझ लेंगे, तो वे भविष्य में स्वाभाविक रूप से हाथियों की रक्षा के लिए आगे आएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण आने वाले दिनों में जंगली हाथियों के लिए जानलेवा खतरा बन सकता है, यही वजह है कि वे छात्रों को प्लास्टिक के खतरों के बारे में भी शिक्षित कर रहे हैं। आज के कार्यक्रम को मिले भारी समर्थन ने संस्था को काफी प्रोत्साहित किया है और उनका यह जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संपादकीय

मुस्लिम ने मुस्लिम को खदेड़ा

घुसपैठियों का मुद्दा सामान्य नहीं, बेहद संवेदनशील और पेचीदा है। कूटनीति और बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों पर तनाव बढ़ सकता है। यह भारत की ही समस्या नहीं, बल्कि खाड़ी के मुस्लिम देश, यूरोप, ब्रिटेन और अमरीका भी परेशान हैं। अंततः घुसपैठियों को खदेड़ा जा रहा है। ऐसे सभी लोग घुसपैठिए भी नहीं हैं। बहरहाल सिर्फ मुस्लिम देशों के ही कुछ उदाहरण लें, तो साफ होगा कि यह कितना नाजुक और बिलबिला देने वाली समस्या है। पाकिस्तान ने बीते सालों में 1.46 लाख से अधिक अफगानी मुसलमानों को उनके देश वापस जाने को विवश किया है। दोनों इस्लामी देश हैं। ईरान आज युद्ध में घिरा है, लेकिन इससे पहले वह करीब 15 लाख मुसलमानों को देश से खदेड़ चुका है। संयुक्त अरब अमीरात के स्वप्निल, शानदार शहर दुबई जाने को आधुनिक युवा हरचंद कोशिश करते हैं। वहां नौकरियों के मोटे पैकेज मिलते हैं और व्यापार की चौतरफा संभावनाएं हैं। दुबई 'धन्नासेठों का शहर' भी है, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात ने ही 7500 से अधिक पाकिस्तानी लोगों को वापस जाने को विवश किया है। उन्हें अपना सामान पैक करने तक का वक्त नहीं दिया गया। तुर्किए खुद को मुसलमानों का 'खलीफा देश' मानता है। उसने भी करीब 2.60 लाख लोगों को देश छोड़ कर चले जाने को बाध्य किया है। जॉर्डन ने जिन 6.75 लाख के करीब लोगों को, खेती का काम करने को, शरण दी थी, उनमें से 1.5 लाख से अधिक शरणार्थियों को वह खदेड़ चुका है। सऊदी अरब ने तो हद ही कर दी, जब 18,836 कथित अवैध, अवांछित अप्रवासियों को हथकड़ी लगाकर देश के बाहर किया गया। अमरीका ने भी हथकड़ी, बेड़ियां बांध कर भारतीयों को वापस भेजा था और हम एक राष्ट्र के तौर पर 'चूं' तक नहीं कर पाए थे। इसी तरह मुस्लिम देश अधिकतर मुसलमानों को ही निष्कासित कर रहे हैं, तो किसी भी देश ने इसे उनका एजेंडा करार नहीं दिया।

भारत की ही समस्या नहीं, बल्कि खाड़ी के मुस्लिम देश, यूरोप, ब्रिटेन और अमरीका भी परेशान हैं। अंततः घुसपैठियों को खदेड़ा जा रहा है। ऐसे सभी लोग घुसपैठिए भी नहीं हैं। बहरहाल सिर्फ मुस्लिम देशों के ही कुछ उदाहरण लें, तो साफ होगा कि यह कितना नाजुक और बिलबिला देने वाली समस्या है। पाकिस्तान ने बीते सालों में 1.46 लाख से अधिक अफगानी मुसलमानों को उनके देश वापस जाने को विवश किया है। दोनों इस्लामी देश हैं। ईरान आज युद्ध में घिरा है, लेकिन इससे पहले वह करीब 15 लाख मुसलमानों को देश से खदेड़ चुका है। संयुक्त अरब अमीरात के स्वप्निल, शानदार शहर दुबई जाने को आधुनिक युवा हरचंद कोशिश करते हैं। वहां नौकरियों के मोटे पैकेज मिलते हैं और व्यापार की चौतरफा संभावनाएं हैं। दुबई 'धन्नासेठों का शहर' भी है, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात ने ही 7500 से अधिक पाकिस्तानी लोगों को वापस जाने को विवश किया है। उन्हें अपना सामान पैक करने तक का वक्त नहीं दिया गया। तुर्किए खुद को मुसलमानों का 'खलीफा देश' मानता है।

मानवाधिकार के नाम पर या तो मुंह में दही जम गया अथवा आंखें मूंद ली गई। दुनिया ने इस 'खदेड़बाजी' को राष्ट्रीय सुरक्षा और उन देशों के संसाधनों का राष्ट्रीय प्रयोजन मान लिया, लेकिन भारत में, खासकर बंगाल से, घुसपैठियों को देश से बाहर करने के मुद्दे पर एक राजनीतिक, सामाजिक, मजहबी तबका बिलबिलाने क्यों लगता है? राज्यसभा में भारत सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि देश में करीब 2 करोड़ घुसपैठिए हैं। विशेषज्ञ यह संख्या 3-4 करोड़ आंकते हैं, क्योंकि बंगाल के अलावा, उप्र, बिहार, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र आदि राज्यों से लेकर राजधानी दिल्ली में भी घुसपैठिए हैं। राजनीतिक कारणों और चुनावी वोट बैंक की खातिर न तो शिद्दत से उनकी पहचान की गई और धरपकड़ कर उन्हें देश से खदेड़ना तो बहुत दूर की कौड़ी है। चूंकि अब घुसपैठियों को भगाने का पुख्ता रोड-मैप तैयार हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है, जो यह निष्कर्ष देगी कि जनसांख्यिकी परिवर्तन और असंतुलन क्यों है? उनके बुनियादी कारण और कारक क्या हैं? विडंबना है कि इस अभियान को भाजपा का एजेंडा, मोदी सरकार की मुस्लिम-विरोधी नीति करार दिया जा रहा है। अब यह प्रावधान, कायदे-कानून तय किए जा रहे हैं कि घुसपैठियों का 'बॉयोमीट्रिक डाटा' तैयार किया जाएगा, ताकि खदेड़ने के बाद घुसपैठिया दोबारा भारत की सीमाओं में न आ सके। हमारे देश में 'चार न्यूजीलैंड' के बराबर घुसपैठिए हैं। अधिक भी हो सकते हैं। उनके पास आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड सरीखे भारतीय दस्तावेज भी हैं। वे सालों से भारत में बसे हैं, जमीनें खरीद ली हैं, सरकारी योजनाओं के लाभार्थी रहे हैं, देश के संसाधन हड़पते रहे हैं, कुछ ने सरकारी नौकरियां भी हासिल कर रखी हैं। ऐसे अवैध घुसपैठियों को देश से खदेड़ना आसान नहीं है। बांग्लादेश सरकार अपने मूल निवासियों को पहचानने में 5-5 साल लगा देती है, लिहाजा मामले लटके रहते हैं और घुसपैठिए 'हिरासत केंद्रों' में मजे से बिरयानी खाते रहते हैं। बांग्लादेश कई मामलों में घुसपैठियों को अपना नागरिक मानता ही नहीं।

कुछ अलग

एक्सटैंशनमेव जयते

सरकारें चाहे बदलती रहें, पर उनका ध्येय प्रायः एक ही होता है, अपनों को रेवडियां और दूसरों को जूतों में दाल। अक्सर नई सरकारें पुरानी योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें अपने नेताओं के नाम समर्पित कर देती हैं और इसे नवाचार मान लिया जाता है। जनता एक अनुशासित दर्शक की तरह हर सरकार के हर निर्णय पर तालियां बजाती रहती है, चाहे वह केवल पुरानी बोतल पर नया लेबल चिपकाने का ही उपक्रम क्यों न हो। लगता है, 'इसकी टोपी उसके सिर' कहावत बुजुर्गों ने शायद ऐसे ही दृश्य देखकर गढ़ी होगी।' सुबह-सवेरे मॉर्निंग वॉक पर निकले झुन्नू लाल जी को मैंने लगभग दौड़ते हुए पकड़ा। वह तमतमाए हुए थे। पूछने पर पता चला कि इस माह रिटायर हो रहे उनसे तीन वरिष्ठ अधिकारियों को साल भर की एक्सटैंशन यानी सेवा विस्तार से नवाजा जा रहा है। अगर यह सच हुआ तो वह इस साल के अन्त में बिना किसी प्रमोशन के ही घर सिधार जाएंगे, जबकि उम्र में उनसे करीब तीन साल बड़े तीनों अधिकारी उनसे तीन माह बाद कुरसी हल्की करेंगे। इस बात की प्रबल संभावना है कि सेवानिवृत्ति के बाद उन तीनों को किसी आयोग का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। पिछले चार सालों से पदोन्नित का इंतजार कर रहे जॉन अली बेचारे हर साल मन मसोस कर रह जाते हैं। मैंने उनसे पूछा कि उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों के लिए जुटाई जा रही इन रेवडियों का पता कैसे चला तो उन्होंने बताया कि कल रात उनके महकमे के वज़ीर के पीए का उस वक्त फोन आया जब वह 'पीए' हुए था। जो अधिकारी घुटनों के बल चलने या रेंगने के आदी हैं, केवल उन्हें ही सेवा विस्तार से नवाज़ा जाता है।

नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है

रील्समय सब जग जानी

उमेश चतुर्वेदी

आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं।

तुलसी के लिए समूचा विश्व ही श्रीराम और सीता की तरह रहा। आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है। टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं। हर नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है। रील्स का जो चरित्र विकसित हुआ है, उसमें उथलापन ज्यादा है, गंभीरता कम है। इसे समझने के लिए छापा यानी प्रेस से मीडिया तक की यात्रा को गंभीरता से देखना और समझना होगा। रेडियो के आविष्कार और फिर टेलीविजन के विस्तार के पहले तक पत्रकारिता की बुनियाद में छापेखाने ही रहे। शुरूआती दौर में पत्रकारिता को प्रेस इसी वजह से कहा गया। जब तक उसकी पहचान के साथ प्रेस जुड़ा रहा, उसके प्रति विशिष्टताबोध बना रहा। टेलीविजन के विस्तार और बजरिए इंटरनेट माध्यमों की आवाजाही ने इस विशिष्टाबोध युक्त पहचान को मीडिया में रूपांतरित कर दिया है। इस यात्रा में मोटे तौर पर पत्रकारिता के दो रूप दिखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से जन्मे छापे की पत्रकारिता कोख में मिले संस्कारों को अब तक कमोबेश अपनाए रखा है। बाद में आए रेडियो और टीवी में तकनीक भले ही प्रधान रहा, लेकिन उनके मूल में भी छापे की ही पत्रकारिता रही। इसके बावजूद तकनीक प्रधान और अत्याधुनिक माध्यम टीवी छापे की बुनियादी मूल्यों से काफी दूर दिखता है। उदंत मार्तंड के प्रकाशक और संपादक जुगल किशोर शुक्ल हों या बंगाल गजट निकालने वाले जेम्स ऑगस्टस हिक्की, उन्हें अखबार निकालने का गहरा युगबोध था। लेकिन उन्हें पता था कि वह जो कार्य करने जा रहे हैं, वह बेहद दुष्कर है। उनके सामने संसाधनों की ही चुनौतियां ही नहीं थी, पाठक जुटाना और अपने छापे की बात उन तक पहुंचाना भी आसान नहीं था। उन्हें आभास था कि उनकी खरी बातों को तत्कालीन विदेशी सत्ता स्वीकार नहीं करेगी। संसाधनों के अभाव और सरकारी सहयोग नहीं मिलने की वजह से ही उदंत मार्तंड असमय

कालकवलित हो गया। उसे संसाधन या सरकारी सहयोग इसलिए नहीं मिले, क्योंकि उसका स्वर भारतोन्मुखी था, वह हिंदी समाज के हित के हेत निकल रहा था, उसे भारतीय मूल्यों की चिंता थी और भारतीय समाज के नवजागरण में वह भागीदार बनना चाहता था। यह कहानी उदंत मार्तंड तक ही सीमित नहीं रही। बाद के दिनों में भी हिंदी में तमाम समाचार पत्र निकले और बंद होते रहे। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास नवजागरण का ही इतिहास नहीं है, अखबारों के निकलने और बंद बंद होने के सिलसिले का भी इतिहास है। लेकिन इस सिलसिले में भी समानता दिखती है, पत्रों का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों, स्वाधीन सोच के लिए जागरण पैदा करना और राष्ट्र हित पर खुद को तिरोहित करना ज्यादातर पत्रों के प्रकाशन के मूल में दिखता है। कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता के जीन यानी गुणसूत्र में तिरोहित होने का ही भाव रहा है। यही वजह है कि हिंदी पत्र खतरा उठाते हुए भारतीयता की बात करना और सार्वजनिक हित का सवाल उठाना अपना पुनीत कर्तव्य मानते रहे। बेशक आज के समाचार पत्र भी सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सवालों में आना सिर्फ अखबारी संस्थानों और उनके कर्ताधर्ताओं की सोच का ही मसला नहीं है, बल्कि उदारीकरण के बाद बढ़ी अर्थप्रधानता और पूंजी के खेल से उपजी मजबूरी भी है। फिर भी जब तुलनात्मक रूप से देखते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के साथ जिन मूल्यों को भारतीय समाज ने स्वीकार किया और आत्मसात किया है, उन्हें अब भी अखबारों ने ही आत्मसात कर रखा है। इनकी तुलना में टीवी की पत्रकारिता कहीं ज्यादा चंचल और चलायमान नजर आती है। पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नई तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आए रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नई तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था। जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में अगले चरण के रूप में कदम रखा, दोनों पुराने माध्यमों के खात्मे की आशंका जताई जाने लगी। हालांकि कोई खत्म नहीं हुआ, रेडियो ने खुद के लिए नई तकनीक यानी फ्रीक्वेंसी मॉड्युला यानी एफएम की ईजाद कर ली और अपने लिए जीवन की नई राह खोज ली तो अखबारों ने अपने पन्ने टेलीविजन के पर्दे की तरह चमकादार और दृश्यवान बनाने लगे। अखबारों पर विजुअल का प्रभाव फोटो और चित्रों के विस्तार के रूप में दिखा। इसके असर से अखबार अब भी बचे हुए हैं, रेडियो भी जिंदा है और टेलीविजन भी विस्तृत हो चुका है। लेकिन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं, जिसमें एक पर्दा होता है, उसे चुनौती रील्स और ऐसे ही शॉर्ट वीडियो माध्यमों से मिल रही है। टेलीविजन को पहले इंटरनेट से चुनौती मिली, लेकिन बाद के दिनों इंटरनेट ने खुद में मीडिया के हर फॉर्मेट को समाहित कर लिया। इसी बीच रील्स और टिकटैक जैसे शॉर्ट फॉर्मेट आ गए और टेलीविजन को भी चुनौती मिलने लगी। मीडिया के शुरूआती दोनों माध्यम जहां मूल्यों और संघर्ष की कशमकश वाले दौर में पैदा हुए, पले और बढ़े, इसलिए उनके चरित्र पर मूल्यों और संघर्ष का असर दिखता है। लेकिन टेलीविजन का वैश्विक प्रसार आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ है। इसलिए उसने उदारीकरण की विशेषताओं को भी आत्मसात कर लिया है। उदारीकरण की पहली शर्त चमक-दमक और शोशेबाजी है। भारतीय परिदृश्य में जब टेलीविजन माध्यम विकसित हो रहा था, तब हिंदी के गंभीर पत्रकारों ने इससे दूरी बनाए रखी। उन्होंने तब इसे दोयम दर्जे का माध्यम माना और उसकी उपेक्षा की। उन्हें ऐसा लगा कि यह गंभीर पत्रकारिता का माध्यम नहीं हो सकता। विज्ञान में निर्वात का सिद्धांत है। यानी कोई भी जगह निर्वात नहीं रह सकती, उसकी जगह भरने के लिए नई हवा आ ही जाती है। यह सिद्धांत हर जगह लागू होता है। टीवी की दुनिया से गंभीर लोगों ने दूरी बनाई तो उनकी जगह भरने के लिए वे सारे लोग आ गए, जिन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता स्वीकार नहीं कर रही थी। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने गंभीरता की बजाय दृश्यों के लिए माकूल नाटकीयता को अपनाया, उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों की बजाय पारसी नौटंकी शैली की संवाद अदायगी और नाटकीयता पर जोर दिया। आज यह नाटकीयता ही भारतीय टेलीविजन की मुख्यधारा है। हालांकि जिन देशों में टीवी भारत की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित हुआ, जहां उसका आविष्कार हुआ, वहां टेलीविजन की पत्रकारिता पर छापे की पत्रकारिता जैसी गंभीरता दिखती है, वहां के खबरिया टीवी के पर्दे नाटकीयता से युक्त नहीं हैं।

देश दुनीया से

चीन की दूरदृष्टि से सबक लेने की जरूरत

ब्लूमबर्ग न्यूज़ की 28 जनवरी, 2026 की खबर के अनुसार, चीन ने पिछले साल सभी तकनीकी क्षेत्रों में 543 गीगावाट जितनी नई बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह भारत में 2024 के आखिर तक के पैदा हुए कुल बिजली उत्पादन से 12 प्रतिशत ज़्यादा है। चीन की इस बढ़ोतरी में 80 फीसदी से ज़्यादा हिस्सा अक्षय ऊर्जा का था, जिसमें सोलर व पवन ऊर्जा शामिल हैं। वहीं यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा रणनीतिक तेल भंडार है (लगभग 1.4 अरब बैरल)। दिलचस्प कि उसने 2025 में अपने तेल भंडारण में काफ़ी वृद्धि की, और रूस, ईरान और वेनेज़ुएला से रियायती दरों पर करोड़ों बैरल तेल खरीदा। जबकि भारत के पास सिर्फ़ 21 मिलियन बैरल का तेल भंडार था। पिछले कुछ दशकों में, चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उत्पादन, लिथियम-आयन बैट्री उत्पादन और क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में अपनी जबरदस्त रणनीतिक बढ़त बनाई है। चीनी लोग इस समूची मूल्य संवर्धन शृंखला में अब दुनियाभर में अग्रणी हैं। ऐसा कर उन्होंने न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की और प्रदूषण घटाया बल्कि जीवाश्म ईंधन से दूर हटती दुनिया के दौर में अपनी बहुत मज़बूत स्थिति भी बना ली। रेयर अर्थ मिनरल, ईवी निर्माण, बैट्री उत्पादन व स्वच्छ ऊर्जा की यह तिकड़ी, किसी अर्थव्यवस्था की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करने का 'सबसे अहम माध्यम' है। यह सब सावधानी से की गई योजनाबंदी से हासिल हो पाया, जिसे पंचवर्षीय योजनाओं में विशेष स्थान दिया गया (अभी वहां 15वीं योजना चल रही है)। ये योजनाएं चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति और राज्य परिषद (चीनी कैबिनेट) मिलकर बनाती हैं। यह रणनीतिक बढ़त ही तय करेगी कि देश आगामी ऊर्जा संकट से कैसे निबटेगा। यह ऊंची और नीची महंगाई दर वाले देशों के बीच का फ़र्क बनाता है, और यह तय करने में एक अहम भूमिका निभाएगा कि एआई के युग में डेटा सेंटर कहां स्थापित

होंगे, क्योंकि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, भंडारण, रेयर अर्थ मिनरल और डेटा सेंटरों के बीच एक रणनीतिक सांझ है। बीते साल चीन ने अपने रणनीतिक अस्त्र का इस्तेमाल किया व रेयर अर्थ के निर्यात पर रोक लगाकर भारत का ईवी उत्पादन करीब ठप कर दिया था (इस क्षेत्र में उसका लगभग एकाधिकार है)। देश - अपनी सरकारों के ज़रिए- भविष्य के लिए योजना बनाते हैं। ऐसी योजना में विगत के और मौजूदा अनुभवों का गहराई से विश्लेषण करना शामिल होता है, साथ ही भविष्य के संभावित बदलावों के बारे में भी अनुमान भी लगाए जाते हैं। उपरोक्त अवयवों के आधार पर, सरकार भविष्य से निबटने को नीतियां बनाती है। जब हम खुद को और अपनी मौजूदा स्थिति को, खासकर ऊर्जा की स्थिति और उसके नतीजों के मामले में, देखते हैं, तो लगता है कि हमने पिछले कुछ दशक में जरूरी तैयारी नहीं की। चूंकि भारत का अपना तेल का उत्पादन बहुत कम है, इसलिए यह यकीनी बनाना केंद्र की ज़िम्मेदारी है कि आपात स्थिति में संसाधन उपलब्ध रहें, पर्याप्त भंडार बनाए, और इससे भी ज़्यादा ज़रूरी यह कि बड़े पैमाने पर हरित ऊर्जा अपनाएं, ताकि हम आयातित कच्चे तेल पर बिल्कुल निर्भर न रहें। जहां यह बात तसल्ली देने वाली है कि हमारी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का आधा हिस्सा अब नवीकरणीय स्रोतों से आता है, लेकिन कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन का हिस्सा अभी भी सबसे अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है। अहम बात यह है कि यह अभी भी कुल बिजली खपत का 70 प्रतिशत हिस्सा मुहैया करवाता है, जबकि भारत ने अभी तक बिजली के भंडारण की पर्याप्त क्षमता विकसित नहीं की। जबकि चीन ने इस मामले में बहुत काम किया है। यह दशक लगातार उथल-पुथल भरा रहा। पहले कोविड महामारी, फिर पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया युद्ध जो जारी हैं, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उद्भव। भारत औद्योगिक क्रांति करने से चूक गया था, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। देश '80 और '90 के दशक के कंप्यूटर-प्रधान युग के शुरुआती दौर में भी चूक कर गया; '90 के दशक के आर्थिक सुधार तब जाकर लागू किए, जब देश करीब दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया। शुक्र है, निजी क्षेत्र ने आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी संभाली, साथ ही तकनीकी विशेषज्ञों की बड़ी फौज ने भी स्थिति से उबारने में मदद की। हालांकि भारत अभी सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी नहीं बन पाया, आईटी क्षेत्र में उसकी जगह अधिकांशतः सेवा आधारित क्षेत्र में ही है। हालांकि देर से हुई शुरुआत के मद्देनज़र, काबिल-ए-तारीफ है कि हम इतनी प्रगति कर पाए। एआई से आ रहे बड़े बदलावों की बात करें तो, हमने एक बार फिर मौका गंवा डाला है और अब हम उसे तेज़ी से दूर जाते हुए देख सकते हैं। सेमीकंडक्टर उत्पादन में हमारी कोई जगह नहीं, और हमारा इलेक्ट्रॉनिक उद्योग आपूर्ति के लिए एशियाई दिग्गजों- ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन पर निर्भर बना हुआ है। जिन डेटा सेंटर्स की स्थापना की योजना बनाई जा रही, वे भी दूसरों पर निर्भर रहेंगे। अमेरिका और चीन ने एआई और उससे जुड़े बुनियादी ढांचा निर्माण में बहुत बड़ी छलांग लगाई। इस आधारभूत ढांचे में बेहतरीन चिप बनाना, सस्ती बिजली और सरकार का योगदान बतौर सुधारक और मददगार होना शामिल है।

आप का नजरीया

बेहतर शिक्षा की रैंकिंग में

राष्ट्रीय फलक पर शिक्षा के कारनामे जो भी हों, लेकिन हिमाचल ने परफार्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में छठे स्थान पर खुद को स्थापित किया है। यह गुणात्मक सुधार माना जा सकता है, जहां लर्निंग के हिसाब से बच्चों के शैक्षणिक स्तर का उत्थान हुआ है। कहना न होगा कि स्कूली ढांचे में कई तरह के सुधार सामने आए हैं। शिक्षा के साथ समाज और प्रदेश अगर बेहतर हुआ है, तो यह साबित करता है कि स्कूलों में लैब टू लर्निंग तथा इंटरनेट से ज्ञान तक एक क्रांतिकारी उद्घोष हुआ है। हिमाचल जैसे पर्वतीय प्रदेश के लिए राष्ट्रीय रैंकिंग में उच्च स्तरीय साबित होने के मायने सरकार के योगदान के अलावा समाज की उत्कंठा से भी जाहिर होते हैं। यहां शिक्षा सिर्फ सरकारी स्कूल की छत नहीं, बल्कि समाज की निष्ठा तथा निजी योगदान से भी परिष्कृत होती है। इसलिए सरकारी दायित्व का स्कूली आचरण बेशक बढ़िया नजर आ रहा है, लेकिन इसे प्रतिस्पर्धी व उज्ज्वल बनाया है जनता के विश्वास ने। एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक तथा बिजली - पानी की आपूर्ति को लेकर जनप्रतिनिधियों के बीच रही है और विधायक प्राथमिकताएं भी इस दिशा में सदा अग्रसर दिखाई देती हैं। हिमाचल में सरकारी स्कूलों के समक्ष निजी शिक्षण संस्थानों की अपनी खूबियां भी सामने आती हैं, तो मुकाबला परीक्षा परिणाम से शुरू होकर अब विभिन्न शिक्षा बोर्डों तक पहुंच गया है। आने वाले कुछ सालों में हिमाचल की शिक्षा को केवल स्कूल शिक्षा बोर्ड के ढांचे में ही नहीं परखा जाएगा, बल्कि सीबीएसई स्कूलों की शृंखला भी पहचानी व जानी जाएगी। अभी जिस वजह से चंडीगढ़ इस मूल्यांकन में आगे दिखाई दे रहा है, उसके लिए वहां के स्कूलों का संचालन सीबीएसई बोर्ड के पैरामीटर के कारण है। इस परिपाटी में वर्तमान सुक्खू सरकार के उस फैसले का अवलोकन होना बाकी है, जब प्रदेश के डेढ़ सौ से ऊपर सरकारी स्कूल सीबीएसई पाठ्यक्रम को अंगीकार कर चुके होंगे। हिमाचल में शिक्षा का प्रसार जिन सीढ़ियों से चढ़ा है, वहां कमोबेश हर सरकार का योगदान रहा है। यह दीगर है कि अब छात्र संख्या के आधार पर कतरब्यौंत हो रही है। इससे छात्र-शिक्षक अनुपात, विषयों का अंबार और निजी स्कूलों के समकक्ष सरकारी संस्थानों का उद्धार होने जा रहा है। अभी हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम सामने आए, तो इस कवायद में सरकारी क्षेत्र शिरोमणि बना है। परिणामों की फेहरिस्त में कई सरकारी स्कूलों की छत उत्तम घोषित हुई है, फिर भी शिक्षा में गुणवत्ता के अनेक मानदंड अभी पूरे नहीं हैं। शैक्षणिक माहौल का उत्थान केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि छात्र जीवन को जिंदगी के हर पहलू से निपुणता से गुजरने का आत्मबोध है। शिक्षा से इतर विविध गतिविधियों के लिए भी अब हिमाचल तैयार हो रहा है या होना चाहिए। गीत-संगीत, खेल, आर्ट तथा वैज्ञानिक सोच के दायरे को बढ़ाने के लिए परिसर को और व्यावहारिक होना पड़ेगा। बहरहाल राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिमाचल की स्कूली रैंकिंग साबित कर रही है कि यहां न केवल मैदानी इलाकों, बल्कि कबाइली व दुरुह क्षेत्रों तक शिक्षा की लौ फैलाने में तमाम सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं के घोड़े चारों दिशाओं में दौड़ाए हैं।

शिक्षा के साथ समाज और प्रदेश अगर बेहतर हुआ है, तो यह साबित करता है कि स्कूलों में लैब टू लर्निंग तथा इंटरनेट से ज्ञान तक एक क्रांतिकारी उद्घोष हुआ है। हिमाचल जैसे पर्वतीय प्रदेश के लिए राष्ट्रीय रैंकिंग में उच्च स्तरीय साबित होने के मायने सरकार के योगदान के अलावा समाज की उत्कंठा से भी जाहिर होते हैं। यहां शिक्षा सिर्फ सरकारी स्कूल की छत नहीं, बल्कि समाज की निष्ठा तथा निजी योगदान से भी परिष्कृत होती है। इसलिए सरकारी दायित्व का स्कूली आचरण बेशक बढ़िया नजर आ रहा है, लेकिन इसे प्रतिस्पर्धी व उज्ज्वल बनाया है जनता के विश्वास ने। एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक तथा बिजली -पानी की आपूर्ति को लेकर जनप्रतिनिधियों के बीच रही है और विधायक प्राथमिकताएं भी इस दिशा में सदा अग्रसर दिखाई देती हैं। हिमाचल में सरकारी स्कूलों के समक्ष निजी शिक्षण संस्थानों की अपनी खूबियां भी सामने आती हैं, तो मुकाबला परीक्षा परिणाम से शुरू होकर अब विभिन्न शिक्षा बोर्डों तक पहुंच गया है। आने वाले कुछ सालों में हिमाचल की शिक्षा को केवल स्कूल शिक्षा बोर्ड के ढांचे में ही नहीं परखा जाएगा, बल्कि सीबीएसई स्कूलों की शृंखला भी पहचानी व जानी जाएगी।

दृष्टि कोण

ऊर्जा सुरक्षा, भारत की स्थिति व पीएम की यात्राएं

एक ओर अमरीका और इजरायल तथा दूसरी ओर ईरान के बीच युद्ध को लगभग तीन महीने होने जा रहे हैं और यह तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा। अमरीका को अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए ईरान ने खाड़ी के देशों पर भी हमले किए हैं। लगभग 20 देश युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं। उधर युद्ध रुकवाने के लिए अमरीका पर दबाव बनाने और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने हेतु एक महत्त्वपूर्ण समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को ईरान ने लगभग बंद कर दिया है। गौरतलब है कि दुनिया के कुल तेल और गैस की 20 फीसदी आवाजाही इस मार्ग से होती है। ऐसे में भारत सहित कई देश तेल और गैस की कमी के कगार पर खड़े हैं। साथ ही साथ युद्ध के चलते तेल और गैस की आवाजाही के बाधित होने से तेल और गैस की कीमतों में भी खासी वृद्धि हुई है और यह लगातार जारी है। भारत में सरकार द्वारा एक्साईज ड्यूटी घटाकर तेल की कीमतों को स्थिर रखने का बड़ा प्रयास किया गया, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में लगातार होती वृद्धि के कारण अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी वृद्धि प्रारंभ हो गई है। कॉमर्शियल गैस के सिलेंडरों की कीमतों में तो पहले से ही भारी वृद्धि हो चुकी है। हालांकि रसोई गैस की कीमतों को अभी तक नहीं बढ़ाया गया है, लेकिन उसमें कभी भी वृद्धि हो सकती है। दूसरी तरफ चूंकि देश की कच्चे तेल की लगभग 88 प्रतिशत पूर्ति आयात से होती है, तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हो रही लगातार वृद्धि के कारण भारत का तेल आयात बिल बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण एक तरफ रुपए में गिरावट हो रही है तो दूसरी तरफ देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी खाली होता जा रहा है। युद्ध के प्रथम तीन महीनों में ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 47 अरब डालर कम हो चुका है। इन सब बातों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने देश की जनता से अपील की है कि वे पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग को उत्तरोत्तर कम करने का प्रयास करें। इस कारण उन्होंने जनता से वर्क फ्रॉम होम, अधिक सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल की भी अपील की है। साथ ही विदेशी मुद्रा

बचाने के लिए भी उन्होंने सोने की खरीद को कम करने, विदेशी यात्राओं से परहेज करने आदि के लिए भी जनता से गुहार लगाई है। इन परिस्थितियों में मई 2026 के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नार्वे और इटली की महत्वपूर्ण यात्राएं आज बड़ी चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हालांकि इन यात्राओं का रणनीतिक संदर्भ भी है। लेकिन माना जा रहा है कि इन यात्राओं के पीछे एक बड़ी प्राथमिकता देश की ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग भी है। पश्चिमी एशिया में क्षेत्रीय अस्थिरता और वैश्विक तेल बाजारों में उथल-पुथल के चलते यह स्पष्ट है कि भारत इस यात्रा को परंपरागत तेल की आपूर्ति और भविष्य के लिए हरित ऊर्जा के क्षेत्र में संभावनाओं को बढ़ाने में सफल हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात भारत के तेल आयात का चौथा सबसे बड़ा स्रोत है, जहां से भारत की कुल कच्चे तेल की आपूर्ति का 11 प्रतिशत प्राप्त होता है। तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में यूएई का तीसरा स्थान है और भारत यूएई की गैस का सबसे बड़ा खरीददार है। एलपीजी के लिए भी यूएई भारत का सबसे बड़ा स्रोत है। दूसरी तरफ भारत द्वारा परिष्कृत पेट्रोलियम और लुब्रीकेंट का निर्यात भी यूएई में बड़ी मात्रा में होता है और इस संदर्भ में भी उसका दूसरा सबसे बड़ा स्थान है। भारतीय कंपनियों ने बड़ी मात्रा में यूएई की ऊर्जा परिसंपत्तियों में निवेश किया हुआ है। यूएई की कंपनी 'मसदर' ने राजस्थान में 60 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता निर्माण के लिए समझौता किया है।

अनुशासन, सामाजिक समरसता व राष्ट्रभावना के संस्कारों का केंद्र है संघ शिक्षा वर्ग

अलवर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आदर्श विद्या मंदिर मालवीय नगर अलवर में 21 मई से 5 जून तक 40 से 65 वर्ष आयु वर्ग के स्वयंसेवकों के लिए आयोजित संघ शिक्षा वर्ग (विशेष) व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभावना के संस्कारों की एक व्यापक कार्यशाला के रूप में संचालित हो रहा है। वर्ग में जयपुर प्रांत के विभिन्न जिलों से आए 167 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। वर्ग में स्वयंसेवकों को सुव्यवस्थित जीवनचर्या के माध्यम से सामाजिक समरसता, अनुशासन, श्रम साधना, राष्ट्रभक्ति तथा नैतिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही समाज के वंचित वर्गों के प्रति सेवा भाव विकसित करने, जनसंपर्क और संवाद के व्यावहारिक कौशल सीखने तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। वर्ग के विभिन्न सत्रों में पर्यावरण संरक्षण, गौसेवा, ग्राम विकास, धर्म जागरण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संघ शिक्षा वर्ग की दिनचर्या पूरी तरह अनुशासित और समयबद्ध है। सभी सूचनाएं और कालांश परिवर्तन सीटी के माध्यम से दिए जाते हैं। प्रतिदिन प्रातः 4-15 बजे जागरण के साथ दिन की शुरुआत होती है। दैनिक नित्यकर्म के बाद स्वयंसेवक सामूहिक रूप से एकात्म स्तोत्र का पाठ करते हैं। प्रातः 5-20 बजे से 6-30 बजे तक तथा सायंकाल 6-15 बजे से 7-15 बजे तक संघ स्थान आयोजित होता है, जिसमें शारीरिक अभ्यास, खेल, बौद्धिक गतिविधियां और विभिन्न प्रशिक्षण

कार्यक्रम होते हैं। इसके बाद सामूहिक योग एवं प्राणायाम का सत्र आयोजित किया जाता है। दिनभर संवाद, चर्चा और बौद्धिक सत्रों के माध्यम से स्वयंसेवकों के वैचारिक एवं नैतिक विकास का प्रयास किया जाता है। वर्ग में दोपहर का भोजन 12-15 बजे तथा रात्रि भोजन 8 बजे होता है। भोजन व्यवस्था भी सामाजिक समरसता का उदाहरण प्रस्तुत करती है। भोजन समाज के विभिन्न वर्गों से बिना किसी जातिगत भेदभाव के प्राप्त होता है और सभी स्वयंसेवक सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण करते हैं। निर्धारित समय में भोजन संपन्न करना अनुशासन और सुव्यवस्था का परिचायक है। रात्रि 9 बजे से 10 बजे तक प्रतिभा प्रकटीकरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें देशभक्ति और भारतीय संस्कृति से जुड़े गीत, प्रस्तुतियां और कार्यक्रम शामिल रहते हैं। रात्रि 10 बजे शयन के साथ दिनचर्या का समापन होता है। वर्ग में स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। स्वयंसेवक अपने भोजन के बर्तन साफ करने, कपड़े धोने, आवासीय कक्षों, बरामदों, मैदानों तथा शौचालय एवं स्नानागारों की सफाई स्वयं करते हैं। जल संरक्षण के उद्देश्य से बर्तनों की सफाई में बालू-रेत का उपयोग किया जा रहा है। वर्ग की यह व्यवस्था श्रम के महत्व, सेवा भाव, स्वावलंबन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देती है। संघ शिक्षा वर्ग के माध्यम से स्वयंसेवकों में राष्ट्र जीवन के विविध आयामों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र के लिए समर्पित नेतृत्व तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में 90 करोड़ *आभा* खातों का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में लगातार उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते प्रदेश ने यूनिक *आभा* खातों के निर्माण में देशभर में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राजस्थान में अब तक 7 करोड़ 19 लाख से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं, जिसके साथ प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, देशभर में वर्ष 2026 में आभा खातों की संख्या 90 करोड़ के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर गई है। इसे भारत की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण से नागरिकों को अधिक पारदर्शी, सुगम और सुरक्षित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा खातों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2021 में जहां देशभर में 14.7 करोड़ आभा खाते बनाए गए थे, वहीं यह संख्या 2022 में बढ़कर 30.4 करोड़, 2023 में 50.6 करोड़, 2024 में 72.2 करोड़ और 2025 में 84.5 करोड़ तक पहुंच गई। अब 2026 में यह आंकड़ा 90 करोड़ से अधिक हो गया है। राजस्थान में भी गांव-ढाणी से लेकर कस्बों और शहरों तक डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से हुआ है। प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे मरीजों को इलाज में आसानी हो रही है और अस्पतालों में सेवा वितरण व्यवस्था अधिक प्रभावी बनी है। आभा यानी आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट एक विशिष्ट डिजिटल स्वास्थ्य पहचान संख्या है। यह 14 अंकों की यूनिक हेल्थ आईडी होती है, जिसके माध्यम से मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संग्रहित किए जाते हैं। इस आईडी के जरिए मरीज अपनी सहमति से अपने स्वास्थ्य संबंधी दस्तावेज, लैब रिपोर्ट, डॉक्टर की पर्ची, दवाइयों का विवरण और पुरानी बीमारियों का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकता है। इससे कागजी दस्तावेज साथ रखने की आवश्यकता कम हो जाती है और जरूरत पड़ने पर मरीज कहीं भी आसानी से अपना हेल्थ रिकॉर्ड उपलब्ध करा सकता है। आभा आईडी के जरिए मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री डिजिटाइज्ड होने से डॉक्टरों को उपचार के दौरान महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। मरीज की पुरानी बीमारियों, जांच रिपोर्ट और उपचार संबंधी जानकारी उपलब्ध होने से डॉक्टर कम समय में सही निर्णय ले पाते हैं और रोगी को समय पर बेहतर इलाज मिल पाता है। विशेष बात यह है कि मरीज का डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और उसकी अनुमति के बिना कोई भी डॉक्टर या अस्पताल उस जानकारी तक पहुंच नहीं सकता। इससे स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और नागरिकों का भरोसा दोनों मजबूत हो रहे हैं। इस डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र में आईएचएमएस (इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम) की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हिसार की टीम धुरंधर ने गुवाहाटी में दिखाया जलवा, लगाई पदकों की झड़ी

हिसार (हिंस)। रोहतक सर छोटू राम स्टेडियम में नेशनल ट्रायल में चयनित हिसार की नीलम सैनी की टीम को गुवाहाटी के भागेश्वरी फुकनानी हिंदू स्टेडियम दिसपुर में ग्रेपलिंग में हरियाणा का नेतृत्व करने का मौका मिला। इसमें हिसार के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा। इसमें अलग अलग भार वर्ग में 24 राज्यों के बच्चे आए थे, जिसमें हरियाणा की टीम प्रथम स्थान पर रही। दो तरह की प्रतियोगिताओं जीआई, एनओजीआई में 6 स्वर्ण, 5 रजत, 6 कांस्य पदक हासिल किए। जूनियर वर्ग में अभय 58 किलोग्राम में एक रजत एक कास्य पदक, गुरप्रीत 54 किलो ग्राम में एक रजत पदक, कैडेट्स में मुखरित सैनी 63 किलोग्राम में दो कास्य पदक, पुनीत 42 किलोग्राम एक रजत व एक कास्य पदक, परमीत 58 किलोग्राम में एक रजत एक कास्य, देव स्वामी 46 किलो ग्राम में एक रजत एक कास्य पदक, अंशु 46 किलो ग्राम में दो स्वर्ण पदक, ईशांत 42 किलोग्राम में दो स्वर्ण पदक, कार्तिक 39 किलो ग्राम में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। उनके शानदार प्रदर्शन पर कोच समीर और नीलम सैनी ने मंगलवार को इन्हे व इनके परिवार को शुभकामनाएं दी ओर कहा कि यह एक बहुत ही खुशी का भावुक करने वाला पल है कि जितने भी हिसार धुरंधर टीम के बच्चे गए थे, उन्होंने हरियाणा का नाम रोशन कर किया है। ये सभी बच्चे वार्ड 10 के सूर्यनगर के है, इसलिए दोहरी खुशी भी है कि हमारा वार्ड 10 तरक्की के रास्ते पर है। साथ साथ परिवारजनों को यह भी कहा कि वो बच्चों को खेलो की तरफ आगे बढ़ाते रहें ताकि बच्चे गलत संगत से बचे रहें और हिसार हरियाणा का नाम रोशन कर सके।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामला : रिमोट एक्सेस से पेपर हल करवाने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2017 में ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली से छेड़छाड़ कर अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाने वाले हाईटेक नकल गिरोह के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कानाराम को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर परीक्षा केंद्र पर सांठगांठ कर रिमोट एक्सेस तकनीक के जरिए परीक्षार्थियों के प्रश्न पत्र हल करवाने का आरोप है। इस मामले में अब तक कुल 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से एसओजी की टीम पूछताछ करने में जुटी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2018 में राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2017 कंप्यूटर आधारित प्रणाली से आयोजित की गई थी। परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी एपटेक कंपनी को दी गई थी। 12 मार्च 2018 को एपटेक कंपनी के कर्मचारी रोहन कपूर ने एसओजी थाने में परीक्षा में गड़बड़ी और कंप्यूटर हैकिंग का मामला दर्ज कराया था। जहां एसओजी की जांच में सामने आया कि जयपुर स्थित सरस्वती इन्फोटेक परीक्षा केंद्र के संचालकों और अन्य आरोपियों ने मिलकर संगठित गिरोह बनाया था। गिरोह ने चुनिंदा अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए परीक्षा केंद्र के

कंप्यूटर सिस्टम में रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के माध्यम से अवैध हस्तक्षेप किया। वहीं जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से खुलासा हुआ कि 9 मार्च 2018 को परीक्षा की दूसरी पारी में लाभार्थी अभ्यर्थी हीरालाल को पहले सीट नंबर 53 पर बैठाया गया था। बाद में आरोपी विकास और अमोल महाजन ने उसे उसकी निर्धारित सीट से हटाकर सीट नंबर 66 पर स्थानांतरित कर दिया। जहां सीट नंबर 66 पर मौजूद कंप्यूटर को आरोपी अमोल महाजन ने लॉगऑफ और पुनः लॉग ऑन करने के बाद पेन ड्राइव की सहायता से *डार्क कॉमेट* नामक रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया। इस सॉफ्टवेयर के जरिए कंप्यूटर का नियंत्रण परीक्षा केंद्र से बाहर बैठे गिरोह के सदस्यों को सौंप दिया गया। जांच में सामने आया कि जयपुर स्थित किंग विंग बिल्डिंग के कमरा नंबर 204 से बैठे आरोपियों ने रिमोट एक्सेस के माध्यम से अभ्यर्थी हीरालाल का पूरा प्रश्न पत्र ऑनलाइन हल किया और उसे अनुचित लाभ पहुंचाया। एसओजी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी कानाराम इस पूरे नेटवर्क का महत्वपूर्ण सदस्य था। उसने परीक्षा केंद्र पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लाभार्थी अभ्यर्थी को गिरोह से जोड़ने और पूरी प्रक्रिया को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी। एसओजी अब आरोपी कानाराम से गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों, आर्थिक लेन-देन, परीक्षा में लाभ पाने वाले अन्य अभ्यर्थियों तथा नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। एसओजी अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पेपर लीक एवं ऑनलाइन परीक्षा में धांधली से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर की नियुक्ति प्रक्रिया में एससी कैटेगरी के साथ छलावा : पंकज डावर

गुरुग्राम (हिंस)। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने कहा कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में मीडिया विभाग में होने जा रही प्रोफेसर की नियुक्ति में नियम, कायदों का पालन नहीं हो रहा। जिस पद पर एससी कैटेगरी के उम्मीदवार की नियुक्ति होनी चाहिए, उस पद पर जनरल कैटेगरी के उम्मीदवार को लगाने की तैयारी हो रही है। यह यूनिवर्सिटी के नियमों का तो उल्लंघन है ही, साथ ही एससी कैटेगरी के साथ अन्याय है। संविधान की भी इसमें धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आरक्षण नीति का खुलकर उल्लंघन है। पंकज डावर ने मंगलवार को यहां जारी बयान में कहा कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से आगामी 04 जून 2026 को अपने मीडिया विभाग में प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए इंटरव्यू लेने की तैयारी है। पता चला है कि इस पद पर डॉ. राकेश योगी नामक शिक्षक की नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही है। यूनिवर्सिटी में 08 जून 2026 को यूनिवर्सिटी की कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक प्रस्तावित है। इसी बैठक में डॉ. राकेश योगी की नियुक्ति को मंजूरी मिलने की संभावना है। पंकज डावर ने कहा कि वे किसी व्यक्ति विशेष की खिलाफत की बात नहीं कर रहे, बल्कि नियमों के संभावित उल्लंघन की बात कर रहे हैं। अगर एससी पद पर डॉ. राकेश योगी की नियुक्ति होती है तो यह भी भ्रष्टाचार ही कहा जाएगा। सरकार भ्रष्टाचार खत्म करने के लाख दावे करती है, मगर यहां भ्रष्टाचार खुलकर होने की संभावना है। पंकज डावर ने कहा कि मीडिया विभाग में यह पद पिछले करीब दो साल से लंबित रखा गया है। इतने लंबे समय तक किसी पद को भरने के लिए फिर से विज्ञापित करना चाहिए था। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने कहा कि कथित चर्चा यह भी है कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी की ओर से मीडिया विभाग में प्रोफेसर की भर्ती करने में रोस्टर रजिस्टर प्रक्रिया को भी मैंटेन नहीं किया जा रहा है, जो कि करना जरूरी है।

ईडी के सामने पेश हुए जालंधर सेंट्रल के विधायक रमन अरोड़ा

चंडीगढ़ (हिंस)। जालंधर सेंट्रल से आम आदमी पार्टी के विधायक रमन अरोड़ा मंगलवार को मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जालंधर कार्यालय में पेश हुए। ईडी के समन पर विधायक निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचे। सफेद कुर्ता-पायजामा पहने रमन अरोड़ा की कार्यालय पहुंचने की वीडियो भी सामने आई है। कार्यालय में प्रवेश से पहले उनका निजी सामान जमा करवाया गया, जिसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए अंदर भेजा गया। जानकारी के अनुसार यह मामला आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़ा हुआ है। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो पहले ही रमन अरोड़ा को इस मामले में गिरफ्तार कर चुका है। विजिलेंस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लांड्रिंग की जांच शुरू की है। रमन अरोड़ा पर दुकानदारों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से कथित तौर पर अवैध वसूली करने के आरोप भी लगे हैं। विजिलेंस ब्यूरो ने उनके खिलाफ 1.10 करोड़ रुपए की संपत्ति से संबंधित मामला दर्ज किया था।

योगी सरकार में गांवों को मिली नई पहचान, प्रदेश की 57, 694 पंचायतों में स्थापित हुए ग्राम सचिवालय

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में ग्रामीण विकास और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। प्रदेश की 57, 694 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों की स्थापना कर ग्रामीणों को सरकारी सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पिछले पांच वर्षों में 24, 311 पंचायत भवनों का निर्माण कर पंचायतों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। ग्राम सचिवालयों की स्थापना से ग्रामीणों को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, पेंशन योजनाओं की जानकारी, मनरेगा संबंधी सेवाएं, जन्म-मृत्यु पंजीकरण समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब बार-बार तहसील और ब्लॉक मुख्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है। पिछले 5 वर्षों में 24, 311 पंचायत भवनों का निर्माण किया गया है। ग्राम सचिवालयों में फर्नीचर,

कंप्यूटर, इंटरनेट, पेयजल और स्वच्छता सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक और डाटा एंट्री ऑपरेटर की तैनाती की गई है। कुल 1875 रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट और कन्सल्टिंग इंजीनियर(सिविल) का इम्पैनलमेंट किया गया है। राज्य स्तरीय कॉल सेंटर एवं आनलाइन अटेंडेंस सिस्टम किया गया लागू विभाग द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायतों को भेजी जाने वाली समस्त धनराशि का भुगतान ग्राम सचिवालय में स्थापित कंप्यूटर से किये जाने के लिए जिओ फेंस्ड एंड क्यू आर कोड तकनीक लागू किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से धनराशि के व्यय में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित की गई है। एआई मॉडल का प्रयोग कर व्यय का अनुश्रवण किया जा रहा है। समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं संचार हेतु राज्य स्तरीय कॉल सेंटर एवं आनलाइन अटेंडेंस सिस्टम लागू किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित पंचायत भवन ग्रामीण प्रशासन के नए केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। इन भवनों में पंचायत बैठकों, जनसुनवाई, डिजिटल सेवाओं और विकास योजनाओं की निगरानी के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पंचायत भवनों के निर्माण से ग्राम पंचायतों को स्थायी कार्यालय मिले हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। ग्राम सचिवालय और पंचायत भवनों का यह व्यापक नेटवर्क ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन को नई गति देने के साथ-साथ गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इससे ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आम लोगों तक सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हुई है। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में यह उपलब्धि प्रदेश के गांवों को सशक्त, डिजिटल और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

जिहाद से लड़ने व सनातन की रक्षा करने के गुर सीख रहे बजरंग दल के युवा प्रशिक्षार्थी

मुरादाबाद (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की तत्वावधान में चल रहे आठ दिवसीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस पर मंगलवार को कृष्ण बाल विद्या मंदिर मंगूपुरा मुरादाबाद के प्रांगण में 27 जिलों से पधारे 165 कार्यकर्ता के द्वारा आज शौर्य प्रदर्शन किया गया। शौर्य प्रशिक्षण वर्ग में युवाओं को देश में चल रहे अनेकों प्रकार के जिहाद से लड़ना एवं अपने सनातन की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना सिखाया गया। आज दि बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों व अधिवक्ताओं के द्वारा उत्साहवर्धन हेतु पधार कर सभी का उत्साहवर्धन किया। शौर्य प्रशिक्षण वर्ग में प्रांत सह मंत्री जितेन्द्र चौधरी ने कहा कि हमारे युवा सशक्त भारत का निर्माण करते हैं और देश रक्षा के लिए अपने प्राणों की भी चिंता न करते हुए सदैव तत्पर रहते हैं। इस अवसर पर प्रांत सह मंत्री जितेन्द्र चौधरी, प्रांत संयोजक निमेश वशिष्ठ, वर्ग पलक विपिन गुप्ता, बृजेश कुमार, नवदीप अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष अमित गुप्ता, महानगर संयोजक राजीव ठाकुर, उप्र राज्य बाल अधिकार आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. विशेष गुप्त, दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के महासचिव कपिल गुप्ता एडवोकेट, वरिष्ठ अधिवक्ता नवनीत शमशेरी, आशुतोष त्यागी एडवाकेट, शशांक यादव एडवोकेट, भूपेंद्र धारीबाल, देवेश वशिष्ठ एडवोकेट आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध संबंध के कारण सास ने दामाद के साथ मिलकर की बेटी की हत्या

अररिया (हिंस)। अररिया आरएस थाना क्षेत्र के प्रेमनगर वार्ड संख्या 16 में बीती रात अवैध संबंध को लेकर सास और दामाद ने मिलकर नवविवाहिता की हत्या कर दी। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह बेटी के पिता मुदशिर ने आरएस थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। जिसके बाद मौके पर थानाध्यक्ष अंकुर कुमार समेत पुलिस अधिकारी पहुंचकर आरोपी सास शाइस्ता परवीन और दामाद अब्बू नसर को गिरफ्तार किया। सूचना के बाद मौके पर अनुसंधान को लेकर एफएसएल टीम को बुलाया गया, जिन्होंने मौके पर कई सैंपल कलेक्ट किए। घटना को लेकर मृतका 16 वर्षीया साजिदा परवीन के पिता मुदशिर ने बताया कि उनकी पत्नी शाइस्ता परवीन का अपने दामाद से अवैध संबंध था। जिसको उनकी बेटी ने पिछले दिनों देख लिया था, जिसके बाद घर में काफी हो हंगामा भी हुआ था। अवैध संबंध के कारण उनकी बेटी का अपनी मां और पति से हमेशा कहासुनी होती रहती थी। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल पहले उनकी बेटी साजिदा परवीन की जबरदस्ती मां शाइस्ता परवीन ने जबरन अपने बॉय फ्रेंड 35 वर्षीय अबू नसर से कराई गई थी। शादी का अपने से 20 साल अधिक युवक से शादी के लिये बेटी तैयार नहीं थी और उन्होंने कड़ा इसका विरोध भी किया था। मृतका के पिता ने बताया कि उनकी पत्नी का दामाद अबू नसर से पांच सालों से अवैध संबंध चल रहा था। बेटी से शादी के बाद भी दोनों एक साथ कई कई दिनों तक बाहर रहते और घर में भी कमरे में बंद रहता था। साजिदा ने अपने पति के साथ अपनी मां को कई बार आपत्तिजनक हालत में भी रंगेहाथ पकड़ा था। उन्होंने बताया कि बीती रात वह जब घर में नहीं थे तो वापस आया तो देखा कि बाइक से उनकी पत्नी और दामाद बेटी की तबियत खराब होने की बात कहकर डॉक्टर के पास ले जाने की बात कही थी। काफी देर बाद लौटा तो बेटी बेहोश थी। जिस पर सास और दामाद जल्द ठीक होने का झूठा आश्वासन देते रहे। लेकिन अचानक देर रात को साजिदा के मौत हो जाने की बात करते हुए शव को रात में ही दफनाने की जिद करने लगे। जिसके बाद उन्होंने शव को दफनाने से रोकते हुए सुबह में पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची आरएस थाना पुलिस ने सास और दा माद को गिरफ्तार करते हुए मामले की तफ्तीश में जुट गई।

जलजमाव की समस्या पर गंभीर हुआ नगर निगम, हटाया अतिक्रमण

भागलपुर (हिंस)। जिले के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र स्थित कैलाशपुरी कॉलोनी के वासियों के लिए मंगलवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। कॉलोनी में लंबे समय से नासूर बनी जलजमाव की गंभीर समस्या पर नगर निगम ने कड़ा एक्शन लिया है। स्थानीय नागरिकों की बार-बार मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और न सिर्फ अतिक्रमण को ध्वस्त किया, बल्कि सालों से जाम पड़े नाले की उड़ाही का काम भी युद्ध स्तर पर शुरू करवा दिया। स्थानीय निवासियों से मिली जानकारी के अनुसार, कैलाशपुरी कॉलोनी में स्थित एक निजी विद्यालय के संचालक कन्हैया कुमार द्वारा नाले और उसके आसपास की सरकारी जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया गया था। इस अतिक्रमण की वजह से नगर निगम की सफाई गाड़ियों और कर्मियों को

नाले तक पहुंचने का रास्ता नहीं मिल पा रहा था और नाले की सफाई पूरी तरह ठप थी। नाला पूरी तरह चोक (जाम) हो जाने के कारण कैलाशपुरी कॉलोनी की स्थिति बद से बदतर हो गई थी। हल्के से पानी या रोजाना के इस्तेमाल के बाद नाले का बदबूदार और गंदा पानी ओवरफ्लो होकर मुख्य सड़क पर जमा हो जाता था। स्थिति इतनी भयावह थी कि कई बार यह गंदा पानी लोगों के ड्राइंग रूम और आंगन तक में प्रवेश कर जाता था, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार मंडरा रहा था। बच्चे और बुजुर्ग घरों में कैद होने को मजबूर थे। जैसे ही नगर निगम को इस बात की पुख्ता शिकायत मिली कि एक रसूखदार व्यक्ति के अतिक्रमण के कारण पूरी कॉलोनी नरक झेल रही है, निगम प्रशासन तुरंत एक्शन मोड में आ गया। नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता मोजाहिदपुर थाने की पुलिस टीम के साथ अमले-कमले के साथ कैलाशपुरी पहुंचा। टीम को देखकर अतिक्रमणकारियों के विरोध के सुर ठंडे पड़ गए। निगम कर्मियों ने तुरंत नाले के ऊपर और आसपास से अवैध कब्जा हटाया और जेसीबी मशीनों के जरिए नाले की उड़ाही का काम शुरू कर दिया। महीनों बाद नाले से गाद और कचरा निकलता देख कैलाशपुरी कॉलोनी के लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त होने से अब जलजमाव से पूरी तरह राहत मिलने की उम्मीद है। नगर निगम की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई पर संतोष जताते हुए वार्ड के प्रबुद्ध नागरिकों ने नगर आयुक्त और मेयर का आभार व्यक्त किया है। साथ ही, लोगों ने मांग की है कि इस नाले की केवल आज ही नहीं, बल्कि मानसून को देखते हुए नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि दोबारा ऐसी नौबत न आए।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती धांधली मामला

जयपुर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा-2022 में हुई धांधली के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए दो वर्षों से फरार चल रहे दस हजार के इनामी डमी परीक्षार्थी नरेश कुमार निवासी करडा जिला नागौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने के आरोप में वांछित था। न्यायालय ने उसे 9 जून 2026 तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि आरपीएससी द्वारा वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के तहत 24 दिसंबर 2022 को सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान तथा विज्ञान विषय की परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र लीक होने के कारण यह परीक्षा निरस्त कर दी गई थी।

काइनबेस का भारत में कमबैक, अब आईएमपीएस से करें सीधी जमा-निकासी

भारत में अपार संभावनाएं: बाजार में गतिविधियां धीमी नहीं, काइनबेस को नियमों पर भरोसा

नई दिल्ली

वैश्विक क्रिप्टो एक्सचेंज काइनबेस ने भारत में अपनी उपस्थिति को निर्णायक रूप से मजबूत किया है, करीब दो साल की लगभग अनुपस्थिति के बाद सीधे बैंकिंग लेनदेन और घरेलू क्रिप्टो प्लेटफार्म में रणनीतिक निवेश के माध्यम से अपने परिचालन को फिर से शुरू किया है। यह कदम भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू-आईएनडी) के साथ कंपनी के पंजीकरण के एक साल से अधिक समय बाद आया है, जो भारतीय बाजार के प्रति उसके बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, भले ही नियामक ढांचा अभी भी विकसित हो रहा हो। काइनबेस अब भारतीय ग्राहकों को तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के जरिए सीधे अपने बैंक खातों से भारतीय रुपये (आईएनआर) जमा करने और निकालने की सुविधा दे रहा है, जिससे पी2पी चैनलों या बिचौलियों पर निर्भरता समाप्त हो गई है। कंपनी के इस कदम को भारत में क्रिप्टो लेनदेन को अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में देखा जा रहा है। काइनबेस में एपीएसी के एक प्रमुख अधिकारी ने इस रणनीतिक फोकस का कारण बताते हुए कहा कि कंपनी भारत में उच्च स्तर की गतिविधियां देख रही है, भले ही स्पष्ट नियम अभी तक नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि यहां बाजार में गतिविधियां धीमी नहीं हुई हैं, हालांकि नियम नहीं बने हैं। हमें कई ऐसे अधिकार क्षेत्रों में काम करने का अनुभव है, जहां हमने नियमों को विकसित और परिपक्व होते देखा है। हमें भारत में नियम बनने को लेकर भरोसा है। यह टिप्पणी भारत के नियामक परिदृश्य के प्रति कंपनी के आशावादी दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। भारत के प्रति अपनी दोहरी रणनीति के तहत, काइनबेस ने घरेलू क्रिप्टो प्लेटफार्म काइनडीसीएक्स और काइनस्विच जैसे प्रमुख खिलाड़ियों में भी निवेश किया है। कंपनी ने अब तक भारत में कुल 10 निवेश किए हैं, जिनमें काइनडीसीएक्स में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी प्रभावी ढंग से यहां (भारत में) काइनडीसीएक्स में महत्त्वपूर्ण निवेश और काइनबेस के अपने खुदरा लान्च के साथ अपने स्वाभाविक विकास के साथ दो तरह की दौड़ में शामिल हो रही है। हालांकि कंपनी ने भारत में अपने उपभोक्ताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया, लेकिन उसने यह संकेत दिया कि भारत में प्रति उपभोक्ता औसत राजस्व अन्य देशों की तुलना में मामूली रहने का अनुमान है, जहां अमेरिका की यह कंपनी सक्रिय है। इसके बावजूद काइनबेस की भारतीय बाजार में सीधी पैठ और स्थानीय निवेशों का मिश्रण नियामक स्पष्टता की प्रतीक्षा करते हुए भी इस क्षेत्र में अपनी जगह बनाने की उसकी दृढ़ इच्छा को दर्शाता है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय कर्मचारियों को 63 फीसदी डीए जुलाई से, 3 फीसदी होगी बढ़ोतरी, सितंबर-अक्टूबर में घोषणा की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। अनुमान है कि केंद्र सरकार उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का डीए 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा, जो जुलाई 2026 से प्रभावी माना जाएगा। इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिसकी घोषणा सितंबर या अक्टूबर माह में की जा सकती है। लेबर ब्यूरो की ओर से जारी नवीनतम महंगाई के आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ सकता है। अप्रैल 2026 के लिए जारी आल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फार इंडस्ट्रियल वर्कर्स डेटा 149.9 पर पहुंच गया है, जिसके आधार पर जून तक गणना 63 फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है। चूंकि डीए को आमतौर पर पूरे अंक में लागू किया जाता है, इसलिए जुलाई से 63 फीसदी डीए मिलने की पूरी संभावना है। इस बढ़ोतरी की घोषणा सितंबर या अक्टूबर में होने की उम्मीद है। यदि घोषणा सितंबर में होती है, तो कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीन महीनों का एरियर मिलेगा। वहीं अक्टूबर में ऐलान होने पर चार महीने (जुलाई से अक्टूबर) का एरियर देय होगा। उदाहरण के लिए, 18,000 रुपये का न्यूनतम मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी की मासिक डीए में 540 रुपये की वृद्धि होगी, जिससे सितंबर में 1500 रुपये से अधिक और अक्टूबर में 2000 रुपये से अधिक का एरियर मिलेगा ।

तेल कंपनियों को नुकसान, फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भले ही स्थिरता बनी हुई है, लेकिन उपभोक्ताओं को जल्द ही फिर से महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के कारण प्रति लीटर 12 रुपये तक का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए वे जल्द ही ईंधन की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 5.5 रुपये और डीजल पर 4.5 रुपये का नुकसान हो रहा है। कुल मिलाकर यह घाटा 12 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। मई महीने में भी इन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतो में कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी, बावजूद इसके नुकसान की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगभग 70 डालर प्रति बैरल था, जो अब 100 डालर के आंकड़े को पार कर चुका है। इस बढ़ोतरी के कारण भारतीय तेल कंपनियों को रोजाना लगभग 550 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए मूल्य वृद्धि एक संभावित कदम माना जा रहा है। केवल पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि अन्य पेट्रोलियम उत्पादों पर भी कंपनियां घाटा झेल रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियों को प्रति सिलेंडर 650 रुपये का नुकसान हो रहा है, वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल पर 30 रुपये प्रति लीटर का घाटा है। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने के बाद 76 दिनों तक ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी, जिसके बाद 4 बार कीमतें बढ़ाई गईं।

मारुति सुजुकी की जल्द आएंगी एथनाल से चलने वाली गाड़ियां

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को भविष्य की बड़ी तकनीक माना जा रहा है। विशेषज्ञों की माने तो फ्लेक्स फ्यूल तकनीक वाली गाड़ियां 85 से 100 प्रतिशत तक एथनाल मिश्रित ईंधन पर चल सकती हैं, जिससे ईंधन लागत और प्रदूषण दोनों में कमी आती है। मारुति सुजुकी इस दिशा में सबसे पहले अपनी लोकप्रिय हैचबैक वैगनआर का फ्लेक्स फ्यूल संस्करण बाजार में ला सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार कंपनी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस माडल को पेश कर सकती है। इसमें ऐसा इंजन और सेंसर सिस्टम होगा जो ईंधन की गुणवत्ता पहचानकर अपने आप इंजन की सेटिंग बदल सकेगा। इसके बाद मारुति फ्रोंक्स का फ्लेक्स फ्यूल संस्करण भी चर्चा में है। यह माडल 85 प्रतिशत एथनाल मिश्रित ईंधन पर चलने में सक्षम होगा।

टेस्ला ने की आरडब्ल्यूडी वेरियंट में बदलाव की घोषणा

नई दिल्ली

अपनी 2026 माडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) वेरिएंट में टेस्ला कंपनी ने बदलाव की घोषणा की है। टेस्ला ने यह भी बताया है कि इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की डिलीवरी जुलाई 2026 से ग्राहकों को मिलनी शुरू हो जाएगी। कार की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत अब 50.89 लाख रुपये हो गई है। साथ ही, टेस्ला ने 67.89 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) कीमत वाले माडल वाई के लान्ग रेंज प्रीमियम आरडब्ल्यूडी वेरिएंट को बंद कर दिया है।

इस बदलाव के बाद, टेस्ला भारतीय बाजार में माडल वाई के दो वेरिएंट पेश करती है प्रीमियम आरडब्ल्यूडी और एल प्रीमियम एडब्ल्यूडी। बंद किए गए लान्ग रेंज प्रीमियम आरडब्ल्यूडी वेरिएंट की तुलना में, नया पांच सीटों वाला एडब्ल्यूडी माडल अब 11.1 लाख रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है। माडल वाई प्रीमियम सिंगल चार्ज पर 500 किलोमीटर (डब्ल्यूएलटीपी) तक की सर्टिफाइड रेंज प्रदान करता है, जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए एक बेहतर विकल्प बन जाता है। प्रदर्शन के मामले में, अल्ट्रा-रिस्पान्सिव मोटर्स की बदौलत यह कार मात्र 5.9 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है। इसमें 2,138 लीटर का विशाल स्टोरेज भी मिलता है, जिसमें पावर-फोल्डिंग सीटों के साथ पांच यात्रियों के लिए पर्याप्त जगह और सामान रखने की बहुमुखी व्यवस्था दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से, नवीनतम 6 सीटों वाले माडल वाई सहित दोनों माडलों को दुनिया के कई प्रमुख सुरक्षा संगठनों जैसे एनएचटीएसए, आईआईएचएस, यूरो एनसीएपी, एएनसीएपी और सी-आईएसीआई से शीर्ष सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है, जो सुरक्षा, दक्षता और प्रदर्शन के नए मानक स्थापित करती है। ग्राहकों के लिए कार खरीदने के अनुभव को आसान बनाने के उद्देश्य से, टेस्ला माडल वाई प्रीमियम आरडब्ल्यूडी अब केवल 6 लाख रुपये के डाउन पेमेंट पर खरीदी जा सकती है, जिसके बाद इसकी मासिक किस्त (ईएमआई) 39,990 रुपये से शुरू होती है। टेस्ला माडल वाई प्रीमियम को अपनाने वाले ग्राहक ईंधन और रखरखाव लागत में हर महीने 20,000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं।

विनफास्ट ने वीएफ8 इलेक्ट्रिक एसयूवी के डिजाइन पेटेंट के लिए दिया आवेदन

नई दिल्ली। हाल ही में भारत में विनफास्ट ने अपनी अपडेटेड वीएफ8 इलेक्ट्रिक एसयूवी के डिजाइन पेटेंट के लिए आवेदन किया है। वर्तमान में, विनफास्ट भारतीय बाजार में विनफास्ट वीएफ6, वीएफ7 और वीएफ एमपीवी7 सहित तीन माडल पेश करती है। यह पेटेंट सवाल खड़ा करता है कि क्या यह नई वीएफ8 जल्द ही भारतीय सड़कों पर दिखेगी। हालांकि, 2026 विनफास्ट वीएफ8 इलेक्ट्रिक एसयूवी के लिए डिजाइन पेटेंट फाइल करना संभावित लान्च का संकेत हो सकता है, यह यह भी दर्शाता है कि ब्रांड अक्सर अपनी बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए ऐसे कदम उठाते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत में उपलब्ध विनफास्ट वीएफ7 इलेक्ट्रिक एसयूवी, 2026 वीएफ8 की तुलना में अधिक फीचर्स प्रदान करती है, जिससे वीएफ8 के भारतीय लान्च की संभावना पर संदेह पैदा होता है। डिजाइन की बात करें तो, 2026 वीएफ8 ब्रांड के सिग्नेचर विंग-शेप्ड एलईडी डीआरएल और वी-शेप्ड कनेक्टेड लाइटिंग सेटअप के साथ आती है। इसमें एक बड़ी बंद ग्लास ब्लैक ग्रिल, वर्टिकल एक्टिव एयर वेंट्स और बम्पर पर स्लीक हारिजान्टल एयर वेंट्स दिए गए हैं। साइड में नए डिजाइन वाले 19-इंच के अलाय व्हील्स और पतली ब्लैक-आउट बाडी क्लैडिंग मिलती है। पीछे की ओर, 2026 वीएफ8 में वी-शेप्ड कनेक्टेड टेललाइट्स दी गई हैं। इंटीरियर में, 2026 विनफास्ट वीएफ8 को नए सिरे से डिजाइन किया गया है और इसमें वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्राइड आटो कनेक्टिविटी के साथ एक नया 12.9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है। इसमें एक अलग डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और स्टीयरिंग कालम पर लगा गियर सेलेक्टर भी शामिल है। अन्य फीचर्स में डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, मेमोरी फंक्शन के साथ पावर्ड सीट्स, रिक्लाइनिंग सीट्स, 8-स्पीकर आडियो सिस्टम और एडीएएस सूट शामिल हैं। पावरट्रेन के लिए, 2026 विनफास्ट वीएफ8 में 228 एचपी और 330 एनएम टार्क जनरेट करने वाली फ्रंट-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर लगी है, जिसे 60.13 किलोवाट-घंटे के बैटरी पैक से शक्ति मिलती है।

खनन कंपनियों से 1000 करोड़ से अधिक राजस्व वसूलेगी झारखंड सरकार

धनबाद

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति ने धनबाद परिसदन में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) समेत अन्य खनन कंपनियों द्वारा रैयतों, सरकारी व वन भूमि पर अवैध खनन और ओवरबर्डन डंपिंग की समस्या की समीक्षा की।

धनबाद में खनन से सरकारी जमीन के उपयोग पर बड़ा खुलासा

इस समीक्षा के बाद समिति ने खुलासा किया कि इन कंपनियों ने बिना अनुमति सरकारी भूमि का उपयोग किया है, जिससे राज्य सरकार को 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा। समिति के सभापति सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि विभिन्न कोल कंपनियों ने रैयतों और सरकारी जमीन का उपयोग किया है। बीसीसीएल ने सरकारी जमीन के उपयोग के लिए पहले ही 220 करोड़ रुपए राजस्व जमा करा दिए हैं। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और ईसीएल ने भी सरकारी जमीन के इस्तेमाल की बात स्वीकार करते हुए राजस्व भुगतान पर सहमति दी है, जिससे राज्य सरकार को कुल 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिलेगा। महतो ने जोर दिया कि समिति के आकलन से राज्य सरकार के साथ-साथ रैयतों को भी आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि नौ महीने पहले सिंदरी विधायक द्वारा ओवरबर्डन डंपिंग का मामला संज्ञान में लाए जाने के बाद ही इस समिति का गठन किया गया था। समिति यह सुनिश्चित कर रही है कि जिन रैयतों की जमीन खनन के लिए उपयोग की गई है, उन्हें पूरा मुआवजा मिले। इसके लिए जिला प्रशासन और बीसीसीएल को रैयतों की समस्या का सरल तरीके से निपटारा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में क्षेत्र की अन्य समस्याओं और विकास कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

650 सीसी सेगमेंट की बाइक रायल एनफील्ड बुलेट 650 लान्च

नई दिल्ली। रायल एनफील्ड ने भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित बुलेट 650 सीसी बाइक लान्च कर दी है। यह रायल एनफील्ड की अब तक की सबसे किफायती और लंबी व्हीलबेस वाली 650 सीसी सेगमेंट की बाइक है, जो कंपनी के पैरेलल-ट्विन पोर्टफोलियो में सातवां माडल बन गई है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 3,64,856 रुपये रखी गई है। यह कीमत क्लासिक 650 ट्विन के ब्रंटिंगथार्प ब्लू और वल्लम रेड जैसे दो शुरुआती कलर वाले माडलों के बराबर है। बुलेट 350 और क्लासिक 350 की तरह ही, बुलेट 650 में क्लासिक 650 ट्विन के साथ कई समानताएं हैं। दोनों बाइक्स में क्रोम हेडलाइट हुड और टेल-लाइट जैसे घटक एक जैसे हैं। हालांकि, बुलेट 650 के फ्यूल टैंक पर हाथ से पेंट की गई पट्टियां, मेटल टैंक बैज और क्लासिक 650 की तुलना में अधिक चौकोर दिखने वाला पीछे का मडगार्ड इसे एक विशिष्ट पहचान देते हैं। इंस्ट्रूमेंटेशन के लिए, इसमें क्लासिक 650 के समान डिजी-एनालाग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है, जिसमें फ्यूल गेज और ओडोमीटर के लिए एक छोटी डिजिटल डिस्प्ले शामिल है। साथ ही, पालिश्ड एल्युमिनियम स्विचगियर को भी क्लासिक 650 से ही लिया गया है। इंजन की बात करें तो, बुलेट 650 में रायल एनफील्ड का जाना-पहचाना 647.95 सीसी का पैरेलल-ट्विन, एयर और आयल-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन 47 पीएस की अधिकतम पावर और 52.3 एनएम का टार्क जनरेट करता है, जिसे 6-स्पीड गियरबाक्स के साथ जोड़ा गया है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में ये चमकीली धातु 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई कमी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी स्टाक मार्केट में पिछले सत्र के दौरान टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई तेजी के कारण मजबूती का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 51,078.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,599.96 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 114.19 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,086.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 201.85 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 50,877.03 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.68 प्रतिशत टूट कर 10,338.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत लुढ़क कर 8,146.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 101.66 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,003.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 348.82 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,747 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,583.04 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत उछल कर 6,171.01 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की छलांग लगा कर 5,059.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 115.50 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,326 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 286.52 अंक यानी 0.63 प्रतिशत टूट कर 45,051.39 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 204.81 अंक यानी 2.33 प्रतिशत लुढ़क कर 8,583.57 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 1,069.33 अंक यानी 1.60 प्रतिशत फिसल कर 65,865 अंक के स्तर पर तक गिर गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 4,056.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

भारतीय महिला हाकी टीम के साथ जुड़े डच दिग्गज टेके टेकेमा, ड्रैग-फ्लिकिंग कैंप में देंगे विशेष प्रशिक्षण

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम की पेनाल्टी कार्नर क्षमता को और मजबूत बनाने के लिए नीदरलैंड के महान ड्रैग-फ्लिकर टेके टेकेमा टीम के साथ विशेष प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए हैं। यह शिविर आस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड दौरे के दौरान 26 मई से 21 जून तक आयोजित किया जा रहा है। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने के मार्गदर्शन में भारतीय टीम आगामी एफआईएच महिला नेशंस कप न्यूज़ीलैंड 2025-26 की तैयारियों में जुटी हुई है, जो 15 से 21 जून तक आकलैंड में खेला जाएगा। इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य भारतीय ड्रैग-फ्लिकरों की तकनीक को निखारना और पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने की क्षमता को बेहतर बनाना है। भारतीय खिलाड़ियों दीपिका, लालथांतलुआंगी और अन्नू इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले रही हैं। टेके टेकेमा विश्व हाकी के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग-फ्लिकरों में गिने जाते हैं। नीदरलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी टेकेमा ने ओलंपिक और हाकी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है। उनके नाम 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच और 221 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं। यह पहल आनंदना – द कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से संचालित की जा रही है। इससे पहले आनंदना ने भारतीय महिला हाकी टीम के लिए बेंगलुरु में प्रसिद्ध गोलकीपिंग कोच डेविड विलियमसन द्वारा आयोजित विशेष गोलकीपिंग शिविर को भी सहयोग प्रदान किया था। आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम ने पर्थ हाकी स्टेडियम में मेजबान आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की मैत्रीपूर्ण श्रृंखला खेली थी। दोनों टीमों ने दो-दो मैच जीतकर श्रृंखला 2-2 से बराबर समाप्त की। भारतीय टीम 3 जून को न्यूज़ीलैंड पहुंचेगी, जहां नेशंस कप से पहले अभ्यास मैचों और प्रशिक्षण सत्रों के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देगी। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने कहा, आधुनिक हाकी में पेनाल्टी कार्नर बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। टेके टेकेमा जैसे अनुभवी विशेषज्ञ का साथ हमारी टीम के लिए बहुत लाभदायक होगा। ड्रैग-फ्लिकिंग के अलावा वे हमारी रक्षात्मक संरचना को भी बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

आस्ट्रेलियाई प्रधानंत्री मार्लेस ने विराट की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई। आस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है।

मार्लेस के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की जीत में विराट की सबसे बड़ी भूमिका रही। मार्लेस ने कहा कि आरसीबी में जोश हेजलवुड और टिम डेविड जैसे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी है। ऐसे में उनका मानना है कि ये जीत दोनो देशों के बीच की साझेदारी का एक अच्छा उदाहरण है। कोहली को फाइनल में उनकी मैच विजेता पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड दिया गया था। मार्लेस के अनुसार आरसीबी की लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्राफी की जीत में विराट ने बड़ी भूमिका निभाई है। फाइनल मुकाबले में विराट ने गुजरात टाइटंस को के खिलाफ 75 रनों की पारी खेली। मार्लेस ने इस पारी की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि कोहली को जीत दिलाने में कोहली का आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने भी पूरा साथ दिया। हेजलवुड ने फाइनल में दो बड़े विकेट लिए जबकि टिम ने तेज से 24 रनों की पारी खेली। मार्लेस ने कहा कि दोनो ही आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने ठीक से अपनी जिम्मेदारी निभाई। मार्लेस ने कह कि यह दूसरा अवसर है जब वह भारत में होने के कारण आईपीएल फाइनल में आरसीबी को खिताब जीतते देख रहे हैं। साथ ही कहा कि विराट आस्ट्रेलिया में भी खासे लोकप्रिय हैं। मार्लेस ने कहा, मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि विराट 75 रन बनाकर मैन आफ द मैच बने पर उनके साथ हेजलवुड और टिम भी लगो थे। इससे भारत और आस्ट्रेलिया के बीच अच्छी साझेदारी दिखी। क्रिकेट में दोनो देशों के बीच गहरे संबंधों याद करते हुए, मार्लेस ने भारत के दिग्गज स्पिनर और कप्तान रहे बिशन सिंह बेदी को भी याद किया।

टिम ने अपनी हरकतों से आरसीबी को शर्मसार किया

मुम्बई। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड आईपीएल के 19 वें सत्र में अपनी खराब हरकतों के कारण विवादों में घिरे रहे हैं।

यहां तक कि फाइनल मुकाबले में भी टिम बाज नही आये और उन्होंने अंपायर से तक बदसलूकी की जिसके कारण उनपर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें अगले सत्र के पहले मैच के लिए भी निलंबित कर दिया गया है। इस सत्र में टिम लगातार आचारसंहित तोड़ते रहे। वह सबसे पहले लीग के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले के दौरान, टिम अचानक ही गेंद की जांच करने लगे और मैदानी अंपायर के बार-बार कहने पर भी उन्होंने गेंद वापस नहीं की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। उनकी इस हरकत के लिए आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए उन पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया और 1 नकारात्मक अंक भी दिया गया। वह लीग के 54वें मैच में एक बार फिर विवादों में आये। मुंबई के खिलाफ उस मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाये। ऐसे में डगआउट में लौटते समय, जब कैमरा उनकी ओर घुमा, तो उन्होंने कैमरे की दिशा मे बीच की अंगुली का इशारा किया। यह साफ नहीं था कि उनका संकेत किसकी ओर था पर इस आपत्तिजनक व्यवहार के लिए उनपर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना और 2 नकारात्मक अंक लगाए गए। आईपीएल फाइनल में तो टिक ने हद ही पार कर दी। पहली पारी के 10वें ओवर में एक विकेट गिरने के बाद, टिम ने बेहद आक्रामक तरीके से मैदानी अंपायर नितिन मेनन की ओर एक आइस बैग फेंका। मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने उनके इस व्यवहार को बेहद गंभीर और खतरनाक करार देते हुए मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाने के साथ ह उनके नाम दो नकारात्मक अंक दर्ज किये। इस प्रकार सभी घटनाओं को मिलाकर, टिम के खाते मे कुल 5 नकारात्मक अंक हो गए।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है। हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल आस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

एलपीएल 2026 में होगा इम्पैक्ट सब नियम हर टीम को खिलाना होगा अंडर-23 खिलाड़ी

कोलंबो

श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आगामी सत्र में पहली बार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम लागू किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक टीम के लिए प्लेइंग इलेवन में कम से कम एक अंडर-23 खिलाड़ी को शामिल करना अनिवार्य होगा। खास बात यह है कि इम्पैक्ट सब के इस्तेमाल के बाद भी टीम में अंडर-23 खिलाड़ी का होना जरूरी रहेगा। सोमवार को कोलंबो में आयोजित एलपीएल 2026 ड्राफ्ट के दौरान इन नए नियमों की जानकारी दी गई। इन बदलावों के कारण सभी पांच फ्रेंचाइजी को अपनी टीमों का चयन काफी रणनीतिक तरीके से करना पड़ा। अंडर-23 खिलाड़ियों की सीमित उपलब्धता के कारण फ्रेंचाइजियों के सामने टीम संयोजन की चुनौती रही। कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी जुलाई में भारत के खिलाफ होने वाली अंडर-19 श्रृंखला के कारण टूर्नामेंट में उपलब्ध नही रहेंगे।

निसांका और पथिराना चोटिल

ड्राफ्ट के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि पथुम निसांका और मथीशा पथिराना चोट से जूझ रहे हैं। निसांका को वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनके कार्यभार को नियंत्रित किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार वह भारत के श्रीलंका दौरे से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए सर्जरी भी करा सकते हैं।

चार टीमों के बदले नाम और नए मालिक

एलपीएल 2026 में चार फ्रेंचाइजियों ने नए मालिक और कोचिंग स्टाफ के साथ नए नाम भी अपनाए हैं। जो निम्न हैं...

- जाफना एससी जाफना किंग्स
- गाल गाल ग्लैडिएटर्स
- कैंडी कैंडी रायल्स
- कोलंबो कोलंबो कैप्स

केवल दांबुला सिक्सर्स का नाम और पहचान यथावत रही।

ड्राफ्ट में इन खिलाड़ियों पर रही नजर

ड्राफ्ट में भारतीय क्रिकेटर विजय शंकर, उभरते तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा, पाकिस्तान के विस्फोटक बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल जैसे खिलाड़ियों पर विशेष ध्यान रहा।

इसके अलावा अविष्का फर्नांडो और चरिथ असलंका पहले दौर के प्रमुख चयन रहे, जबकि विदेशी खिलाड़ियों में रहमानुल्लाह गुरबाज और मोहम्मद नवाज सबसे चर्चित नाम रहे।

प्रमुख प्री-साइनिंग खिलाड़ी

एससी जाफना किंग्स: तस्किन अहमद, दुनिथ वेल्लालागे, शाकिब अल हसन, भानुका राजपक्षे

गाल ग्लैडिएटर्स: लिटन दास, ईशान मलिंगा, रासी वान डेर डुसेन, दासुन शनाका

कैंडी रायल्स: विजय शंकर, एंजेलो मैथ्यूज, मोईन अली, वानिंदु हसरंगा

कोलंबो कैप्स: बेन मैकडरमाट, कमिंदु मेंडिस, जिमी नीशम, कुसल मेंडिस

दांबुला सिक्सर्स: रीजा हेंड्रिक्स, दिनेश चांदीमल, साहिबजादा फरहान, दुष्मंथा चमीरा

एलपीएल 2026 में नए नियमों और बदले हुए टीम ढांचे के साथ टूर्नामेंट के और अधिक प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद की जा रही है। इम्पैक्ट सब और अंडर-23 नियम से युवा खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलने के साथ-साथ टीमों की रणनीति में भी नया आयाम देखने को मिलेगा।

फ्रेंच ओपन: सबालेंका क्वार्टर फाइनल में, ओसाका का सफर समाप्त

पेरिस

विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को हराकर फ्रेंच ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

कोर्ट फिलिप शात्रिये पर खेले गए मुकाबले में बेलारूस की सबालेंका ने ओसाका को 7-5, 6-3 से मात दी। तीन वर्षों बाद आयोजित महिला नाइट-सेशन मुकाबले में सबालेंका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना रूस की डायना श्नाइडर से होगा। श्नाइडर ने पूर्व आस्ट्रेलियन ओपन विजेता मैडिसन कीज़ को 6-3, 3-6, 6-0 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

फ्रेंच ओपन के पुरुष और महिला एकल ड्रा में अब सबालेंका ही एकमात्र सक्रिय ग्रैंड स्लैम चैंपियन बची हैं। वह रोलां गैरो की लाल मिट्टी पर अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। पिछले वर्ष उन्हें फाइनल में कोको गाफ से हार का सामना करना पड़ा था।

यह लगातार 14वां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसमें सबालेंका क्वार्टर फाइनल तक पहुंची हैं।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरी सर्विस इतनी अच्छी रहेगी। मुझे लगता है कि हर मैच के साथ मेरा खेल बेहतर हो रहा है और आज के प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं।

दूसरी ओर, सुनहरे परिधान में उतरी ओसाका का फ्रेंच ओपन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ अभियान अंतिम-16 में समाप्त हो गया।

एक अन्य मुकाबले में आस्ट्रिया की अनास्तासिया पोटापोवा को अन्ना कालिंस्काया के खिलाफ 6-4, 2-6, 7-6 (10-7) से हार का सामना करना पड़ा। कालिंस्काया अब पोलैंड की क्वालीफायर माया ख्वालिंस्का से भिड़ेंगी। माया ने फ्रांस की अंतिम बची खिलाड़ी डियान पैरी को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इस बीच, पेरिस के दर्शकों को भी जश्न मनाने का मौका मिला जब पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए, वारेन जाइरे-एमरी और ब्रैडली बारकोला ने कोर्ट पर अपने लगातार दूसरे चैंपियंस लीग खिताब की ट्राफियों का प्रदर्शन किया।

साल्ट और सुयश ने लगातार ने तीन बार आईपीएल ट्राफी जीतकर बनाया रिकार्ड

मुम्बई। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में जीत के साथ ही टीम में शामिल दो खिलाड़ियों फिल साल्ट वह सुयश शर्मा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साल्ट और सुयश के नाम अब जीत की हैट्रिक का रिकार्ड हो गया है। ये दोनो ही लगातार तीन बार खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे हैं। अब तक ये रिकार्ड पांच-पांच बार अपनी टीमों को खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के नाम भी नही है। साल्ट और सुयश आईपीएल 2024 से लेकर आईपीएल 2026 तक, हर साल विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। इसकी शुरुआत आईपीएल 2024 से हुई, जब दोनों खिलाड़ी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में शामिल थे। इन दोनो ने ही जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। इसके बाद, आईपीएल 2025 के लिए दोनों खिलाड़ी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हो गए। इस सत्र में भी आरसीबी ने शानदार खेल दिखाते हुए ट्राफी जीती, और अब आईपीएल 2026 में आरसीबी ने अपने खिताब को बरकरार रखा है। इस तरह, साल्ट और सुयश लगातार तीन सत्र में विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं।

महिला त्रिकोणीय टी20 सीरीज: आयरलैंड ने पहली बार वेस्टइंडीज को हराया प्रेंडरगास्ट रहीं मैच की नायिका

डबलिन

आयरलैंड महिला टीम ने त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला में इतिहास रचते हुए सोमवार देर रात वेस्टइंडीज को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति से 1 रन से हराकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आयरलैंड ने फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भी मजबूत कर लिया।

मैच की नायिका कप्तान ओरला प्रेंडरगास्ट रहीं, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। पहले उन्होंने दो विकेट झटके और फिर नाबाद 71 रन की मैच विजयी पारी खेली।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। एवा कैनिंग ने पावरप्ले में दो विकेट लेकर कैरेबियाई टीम को शुरुआती झटके दिए। पांच ओवर के भीतर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पवेलियन लौट गए और टीम दबाव में आ गई। स्थिति तब और खराब हो गई जब स्टेफानी टेलर रन आउट होने के बाद चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। 10 ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर केवल 53/4 था और टीम को बड़े स्कोर के लिए मजबूत साझेदारी की जरूरत थी। इसके बाद जैनिलिया ग्लासगो और शेमेन कैंपबेल ने पारी संभाली। दोनों ने महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को संकट से निकाला। कैंपबेल के आउट होने के बाद प्रेंडरगास्ट ने डेथ ओवरों में दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। निचले क्रम के बल्लेबाजों के कुछ उपयोगी चौकों की बदौलत वेस्टइंडीज 20 ओवर में 141/8 तक पहुंचने में सफल रहा।

142 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत भी खराब रही। शानिशा हेक्टर ने पारी की पहली चार गेंदों में ही दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया।

इसके बाद कप्तान प्रेंडरगास्ट ने मोर्चा संभाला। अपने 24वें जन्मदिन पर उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए चौकों की झड़ी लगा दी। हालांकि वेस्टइंडीज ने बीच में लगातार तीन विकेट लेकर आयरलैंड को 65/5 के स्कोर पर मुश्किल में डाल दिया।

लेकिन प्रेंडरगास्ट एक छोर पर डटी रहीं और तेजी से रन बनाती रहीं। 14 ओवर के बाद आयरलैंड का स्कोर 95/5 था, जिसमें अकेले प्रेंडरगास्ट के 71 रन शामिल थे। उस समय डीएलएस गणना के अनुसार आयरलैंड जीत से सिर्फ तीन रन पीछे था। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। अंपायरों ने एक और गेंद फेंकने का फैसला किया और उस गेंद पर लुईस लिटिल ने किनारा लेकर चौका बटोर लिया। इसके बाद बारिश तेज हो गई और खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा। खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका और डीएलएस नियम के तहत आयरलैंड को 1 रन से विजेता घोषित किया गया।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज महिला: 141/8 (20 ओवर)
जैनिलिया ग्लासगो 36, शेमेन कैंपबेल 31
ओरला प्रेंडरगास्ट 2/26, एवा कैनिंग 2/11
आयरलैंड महिला: 99/5 (14.1 ओवर)
ओरला प्रेंडरगास्ट 71*
शानिशा हेक्टर 2/21
परिणाम: आयरलैंड महिला टीम 1 रन से विजयी (डीएलएस पद्धति)।

नार्वे शतरंज: प्रज्ञानानंद ने अलीरजा फिरोज़जा को हराया, वेस्ली सो शीर्ष पर बरकरार

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 के सातवें दौर में रोमांच चरम पर रहा। इस दौर में एक मुकाबले का फैसला क्लासिकल शतरंज में हुआ, जबकि दो अन्य मुकाबलों का नतीजा आर्मागेडन टाईब्रेकर से निकला।

सोमवार को खेले गए सातवें दौर में दिन का सबसे बड़ा उलटफेर भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने किया। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में अलीरजा फिरोज़जा को पराजित कर खिताबी दौड़ को और रोमांचक बना दिया। लंबे समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त को जीत में बदल दिया। टूर्नामेंट में यह अलीरजा फिरोज़जा की दूसरी क्लासिकल हार रही।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और विन्सेंट कीमर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में कार्लसन ने बाजी मारते

हुए अतिरिक्त अंक हासिल किए और शीर्ष खिलाड़ियों पर दबाव बनाए रखा।

वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश और वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। आर्मागेडन में गुकेश ने जीत दर्ज कर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

सातवें दौर के बाद वेस्ली सो 12.5 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बने हुए हैं। अलीरजा फिरोज़जा 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि मैग्नस कार्लसन, विन्सेंट कीमर और आर. प्रज्ञानानंद 9-9 अंकों के साथ खिताब की दौड़ में बने हुए हैं।

महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा की बढ़त मजबूत, दिव्या देशमुख दूसरे स्थान पर

नार्वे शतरंज महिला प्रतियोगिता में बिबिसारा असाउबायेवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त और मजबूत कर ली।

सफेद मोहरों से खेलते हुए उन्होंने झू जिनर को क्लासिकल मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। मध्य खेल में बढ़त बनाने के बाद उन्होंने आत्मविश्वास के साथ जीत सुनिश्चित की।

भारत की दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। हालांकि आर्मागेडन मुकाबले में दिव्या ने काले मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज की और अतिरिक्त अंक हासिल किए।

दूसरे मुकाबले में मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और अन्ना मुज़ीचुक के बीच क्लासिकल बाजी बराबरी पर समाप्त हुई। इसके बाद आर्मागेडन में मुज़ीचुक ने जीत हासिल कर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक अपने खाते में जोड़े।

सातवें दौर के बाद बिबिसारा असाउबायेवा 12.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। अन्ना मुज़ीचुक 9.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टररी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है। एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

9 बीमारियों का एक साथ इलाज करता है सेब

आपने बचपन से ही बड़ों को ये कहते सुना होगा कि रोज एक सेब खाने से सेहत ठीक रहती है और बीमारियां दूर होती है लेकिन क्या आप इस बात पर यकीन करते हैं कि सच में रोजाना एक सेब खाने के हमारे शरीर को फायदे होते हैं। जी हां यह सच है। रोज एक सेब खाने से बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। क्योंकि यह केवल एक फल ही नहीं बल्कि औषधि भी है इसलिए इसे जादुई फल भी कहा जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और बीमारियों से लड़ने वाले तत्व पाए जाते हैं। सेब में कुछ ऐसे भी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में नई कोशिकाओं को बनाते है। इसमें पेक्टिन जैसे फायदेमंद फाइबर्स पाए जाते हैं, जिससे कैंसर, हाइपरटेंशन, मधुमेह और दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

जानिए सेब खाने के ऐसे फायदे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा।

रोज एक सेब खाने से दांतों से पीलापन दूर होता है। मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को दूर करने के लिए भी सेब बहुत मददगार है। सेब में भरपूर मात्रा में डाइट्री फाइबर्स पाए जाते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते है। सेब में कई ऐसे तत्व पाए जाते है, जो कैंसर के खतरा को भी कम करते है। डायबिटीज के मरीजों को भी नियमित रुप से सेब का सेवन करना चाहिए। सेब का सेवन करना दिल के लिए बहुत अच्छा होता है। कब्ज की समस्या को दूर करने में भी सेब काफी फायदेमंद है। अगर आप वजन को नियंत्रित करना चाहते है, तो सेब खाना एक बेहतर विकल्प है। शरीर के भीतर मौजूद कई विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने में भी सेब का नियमित इस्तेमाल फायदेमंद है।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीईआर यानी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पर्दाथों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट केमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ीं हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यार्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्निशप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदावार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**